MT® MUMBAI TARANG

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

समस्याएँ हमारे जीवन में बिना किसी वजह के नहीं आती...

उनका आना एक इशारा है कि हमें अपने जीवन में कुछ बदलना है...

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-09 ❖ मुंबई ❖ रविवार 20 से 26 फरवरी 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

ईडी की हिरासत में इकबाल कासकर, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दर्ज हुई है FIR

पेज 5

गुजरातः भ्रष्टाचार के आरोप के बाद आठ पुलिस अधिकारियों का राजकोट से तबादला, पुलिस आयुक्त भी हैं शक के घेरे में

पेज 7

फरहान और शिबानी की शादी की रस्में शुरू, खंडाला में होगी डेस्टिनेशन वेडिंग

पेज 8

अंधेरी स्टेशन से आरपीएफ ने मोबाइल चोर को दबोचा

हमें धमकी देना बंद करिए

हम आपके बाप हैं और इसका मतलब तो पता ही होगा

संजय राउत का नारायण राणे को जवाब

मुंबईः शिवसेना सांसद संजय राउत और भाजपा नेता केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। दोनों ओर रोज आरोप लगाए जा रहे हैं, एक दूसरे को लेकर बयान दिए जा रहे हैं।

संजय राउत ने अब कहा है कि उनके पास राणे की कुंडली है। इसलिए हमें धमकी देना बंद कर दें। उन्होंने आगे कहा कि आप केंद्रीय मंत्री होंगे। लेकिन यह महाराष्ट्र है, इसे मत भूलिए। हम आपके बाप हैं और इसका मतलब आप अच्छी तरह से समझते हैं। राउत यही नहीं रुके। इसके बाद उन्होंने भाजपा नेता किरीट सोमैया पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आप (किरीट सोमैया) घोटाले के दस्तावेज केंद्रीय एजेंसियों को दें। मैं आपके दे दूंगा। धमकी मत दो, हम नहीं डरेंगे। पालघर में उनके 260 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। यह उनके बेटे के नाम पर है, उनकी पत्नी निदेशक हैं। जांच करनी चाहिए कि उन्हें पैसे कैसे मिले। संजय राउत ने यह भी कहा कि हम महाराष्ट्र में प्रचलित आपराधिक सिंडिकेट को खत्म करेंगे। हम रोजाना एक एक्सपोज करेंगे और इसकी जानकारी देंगे। मुंबई में शुरू हुई रंगदारी की व्यवस्था का पर्दाफाश करने से नहीं कतराएंगे।

क्या है मामला

बीएमसी के कुछ अधिकारी नारायण राणे के जुहू स्थित बंगले पर गए थे। जहां अवैध निर्माण को लेकर छानबीन की गई। इसके बाद राणे ने ट्वीट कर शिवसेना पर निशाना साधा और कहा कि बांद्रा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास मातोश्री के चार लोगों के लिए ईडी का नोटिस तैयार है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के जुहू स्थित बंगले में अनुमति से अधिक निर्माण कराने की शिकायत मिलने के बाद नोटिस जारी किया है। बीएमसी की टीम ने बृहस्पतिवार को उनके बंगले पर नोटिस चस्पा किया था।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर महाराष्ट्र में जश्न

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पूरे महाराष्ट्र में भव्य तरीके से मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिवाजी महाराज को याद किया और अपने ट्वीट के माध्यम से उनकी वीरता का बखान किया। इससे पहले देर रात 11 बजे औरंगाबाद के क्रांति चौक पर घोड़े पर सवार छत्रपति शिवाजी महाराज की 52 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा किया गया। गौरतलब है कि यह सम्पूर्ण देश में छत्रपति शिवाजी महाराज की सबसे ऊंची मूर्ति है। PM ने अपने ट्वीट में लिखा, छत्रपती शिवाजी महाराजांच्या जयंतीनिमित्त मी त्यांना नमन करतो। त्यांचे सर्वोत्कृष्ट नेतृत्व आणि समाज कल्याणासाठीचा आग्रह अनेक पिढ्यांसाठी प्रेरक ठरला आहे। सत्य आणि न्याय या मूल्यांशी त्यांनी तडजोड केली नाही। त्यांची स्वप्ने पूर्ण करण्यासाठी आम्ही कटिबद्ध आहोत।

21 फीट ऊंची प्रतिमा में यह है खास

गौरतलब है कि प्रतिमा की ऊंचाई 21 फुट है। प्रतिमा का वजन सात टन है। मूर्ति के लिए कांस्य धातु का उपयोग किया गया है। वहीं प्रतिमा के चबूतरे की ऊंचाई 31 फुट है। इस चबूतरा (आधार) सहित प्रतिमा की कुल ऊंचाई कुल 52 फुट है। इसके साथ ही चबूतरे के चारों ओर 24 मेहराबों में 24 मावले की प्रतिकृतियां लगाई गई हैं। चबूतरे के चारों ओर एक शानदार फव्वारा बनाया गया है और एक हाथी की सूंड से भी पानी का फव्वारा निकलेगा। इस भव्य प्रतिमा के नर्मिाण पर कुल 98.00 लाख रुपये और चबूतरा के नर्मिाण के लिए 255.00 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

महाराष्ट्रः गृह मंत्री से मिलेंगे शिवसेना के नेता, सिंधुदुर्ग जिले में हत्या के मामलों को फिर से खोलने की करेंगे मांग

महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन की नेतृत्वकर्ता शिवसेना ने शनिवार को कहा कि पार्टी के नेता राज्य के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल से मुलाकात करेंगे और सिंधुदुर्ग जिले में हत्या के मामलों को फिर से खुलवाने की मांग करेंगे। बता दें कि सिंधुदुर्ग केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता नारायण राणे का गृह जिला है। शिवसेना के प्रवक्ता विनायक राउत ने नारायण राणे का नाम लिए बिना कहा कि पूरा महाराष्ट्र जानता है कि हत्याओं और जबरन वसूली में कौन शामिल था। राउत ने कहा, शिवसेना के खिलाफ हत्या और भ्रष्टाचार के आरोप लगाना उस पद का मजाक है (जिस पर राणे हैं)। क्या वह अपना इतिहास भूल गए हैं? एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) नेता राउत ने आरोप लगाया कि पिछले नौ साल में सिंधुदुर्ग जिले में सात राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। उन्होंने कहा, 'हम गृह मंत्री से इन मामलों को फिर से खोलने के लिए कहेंगे।' बता दें कि महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन में शिवसेना के साथ एनसीपी और कांग्रेस शामिल हैं। राउत ने यह बात मुंबई में हुई एक प्रेस वार्ता में कही। इस दौरान उन्होंने कुछ वीडियो भी दिखाए जिनमें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा नेता किरीट सोमैया नारायण राणे के खिलाफ बोल रहे थे। हाल के दिनों में शिवसेना और नारायण राणे के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है। राणे ने शुक्रवार को कहा था कि मातोश्री में चार लोगों के खिलाफ ईडी नोटिस जारी हो चुका है। मातोश्री राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का निजी आवास है।

उत्तर प्रदेश चुनावः मुसलमानों का एक तबका योगी को वोट देना चाहता था, लेकिन हिजाब मामले ने फेरा पानी!

उत्तर प्रदेश चुनाव में मुसलमानों का एक बड़ा तबका 'योगी' सरकार के पक्ष में था। इनमें बहुत से कारोबारी, नौकरी पेशा और छोटा मोटा कामधंधा करने वाले मुस्लिम परिवार शामिल हैं। पहले तीन चरण के मतदान के दायरे में आने वाली विधानसभा सीटों पर लोगों से की गई बातचीत में यह बात सामने आई है कि उत्तर प्रदेश में मुसलमानों का एक तबका 'योगी' को वोट देना चाहता था, मगर 'हिजाब' ने उस पर पानी फेर दिया। भाजपा की झोली में जो फायदा आना था, वह नुकसान में बदल गया। राजनीतिक जानकारों का भी यही कहना है कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा के माहौल को 'भाजपा' अच्छे से कैश कर सकती थी, क्योंकि इसका फायदा हिंदू-मुस्लिम और दूसरे सभी धर्मों के लोगों को बराबर मिला है। शिक्षण संस्थान या ट्रेनिंग सेंटर, जहां पर अनुशासन की नींव पड़ती है, वहां ड्रेस कोड में हिजाब ठीक नहीं है। भाजपा नेता, इस मुद्दे पर फायरब्रांड बन गए। नतीजा, अनेक सीटों पर 'हिंदू-मुस्लिम' का संदेश चला गया। जो मुस्लिम परिवार भाजपा के लिए आगे बढ़ रहे थे,

उन्होंने कदम पीछे खींच लिया। इस प्रकरण में भाजपा को यूपी चुनाव में करीब तीन दर्जन सीटों का नुकसान हो सकता है।

पक्के मकान मिले, काम-धंधे का माहौल और राशन

कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के जफर कहते हैं, योगी सरकार में राजनीतिक आरोप प्रत्यारोपों को एक तरफ रख कर देखें तो सुरक्षा का माहौल सामने आता है। इसमें तो सभी धर्मों और बिरादरियों का फायदा है। ऐसे में जो मुस्लिम तरक्की और अमन पसंद हैं, वे भाजपा को वोट देंगे। इसी विधानसभा क्षेत्र के रियाज्जुदीन फारूख कहते हैं, विकास तो कुछ खास नहीं हुआ। हां, पुलिस अब तंग नहीं करती। गुंडागर्दी भी खत्म हो गई है। सुकून से कामधंधा कर पा रहे हैं। पक्के मकान तो मिले हैं। कोरोनाकाल में राशन भी बराबर आता रहा।ऐसे में मुसलमानों को अपने वोट को लेकर सोचना चाहिए। मुरादाबाद के सिराज अहमद का कहना था, विकास हुआ है। लोगों को दो वक्त का भोजन मिल रहा है। ढाई लाख रुपये मिले, मकान मिल गया, और क्या चाहिए। पांच साल में सुरक्षा का जो वातारण मिला है, वह सबसे सही काम हुआ है। माफिया, वह तो सलाखों के पीछे हैं।

जो पढ़ा-लिखा मुस्लिम तबका है, वह भाजपा को वोट देगा

मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध 'शिव चौक' के निकट सब्जी मंडी में विक्रेता शब्बीर ने कहा, मेरा अपना अनुमान है कि मौजूदा सरकार दोबारा आएगी। जो पढ़ा-लिखा मुस्लिम है, वह भाजपा को वोट देगा। मौजूदा सरकार ने गुंडागर्दी खत्म कर दी। लड़की आजाद है, मां बाप उससे बेफिक्र हो गए। एक आम आदमी को और क्या चाहिए। उसकी जरूरत तो बस इतनी सी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, ऑर्केस्ट्रा बार में महिला और पुरुष कलाकारों की संख्या को चार-चार तक सीमित करने वाली शर्त खत्म

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अधिकारियों द्वारा ऑर्केस्ट्रा बार में महिला और पुरुष कलाकारों की संख्या को चार-चार तक सीमित करने वाली शर्त को खत्म कर दिया है। फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि लिंग रूढ़ियों पर आधारित नियमों का समाज में कोई स्थान नहीं है। जबकि किसी भी प्रदर्शन में कलाकारों की कुल सीमा आठ से अधिक नहीं हो सकती है, रचना किसी भी संयोजन की हो सकती है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को खारिज करते हुए कहा कि लिंग की शर्त लगाना एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण प्रतीत होता है कि जो महिलाएं बार और दूसरी जगहों पर प्रदर्शन दिखाती हैं, वे समाज के एक निश्चित वर्ग से संबंधित हैं। हाई कोर्ट ने ऑर्केस्ट्रा बार के मंच पर केवल चार महिलाओं और चार पुरुष गायकों या कलाकारों को रखने की लाइसेंस शर्त के खिलाफ एक याचिका खारिज कर दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह सीमा सीधे तौर पर कलाकारों के साथ-साथ लाइसेंस मालिकों के मौलिक अधिकारों का संविधान के अनुच्छेद 15 (1) और अनुच्छेद 19 (1) (जी) के तहत उल्लंघन करती है। इस तरह के रवैये का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है; हाल के घटनाक्रमों ने उन क्षेत्रों को उजागर किया है जिन्हें अब तक विशिष्ट पुरुष गढ़ माना जाता था जैसे कि सशस्त्र बलों में रोजगार, लेकिन अब ऐसा नहीं है।

महाराष्ट्रः ठाणे के बाद अब पालघर पहुंचा बर्ड फ्लू, वसई-विरार क्षेत्र के पोल्ट्री फार्म में हुई संक्रमण की पुष्टि

महाराष्ट्र के ठाणे में बर्ड फ्लू (एविएन इंफ्लुएंजा) के मामले सामने आने के बाद अब पालघर में भी एक पोल्ट्री फार्म में भी इसकी पुष्टि हुई है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि जिले के वसई-विरार क्षेत्र में स्थित एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू से संक्रमण के मामले पाए गए हैं।

पालघर के जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रशांत कांबले ने कहा कि पोल्ट्री फार्म में कुछ मुर्गियों की मौत हो गई थी, जिसके बाद उनके नमूने जांच के लिए भेजे गए थे। जांच में पता चला कि ये पक्षी एच5एन1 वायरस से संक्रमित थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्थिति गंभीर नहीं है।

डॉ. कांबले ने इस बात की जानकारी नहीं दी कि पोल्ट्री फार्म पर कितने पक्षियों की मौत हुई है। इससे पहले इसी सप्ताह की शुरुआत में ठाणे जिले में भी बर्ड फ्लू के मामले सामने आए थे। यहां शाहपुर तहसील के वेहलोली गांव के एक पोल्ट्री फार्म में करीब 100 पक्षी मर गए थे।

ऑनलाइन सेफ रहें बच्चे

सोशल मीडिया के बच्चों पर पड़ते नेगेटिव असर को लेकर दुनिया भर में लंबे अर्से से चिंता जताई जाती रही है। अब अमेरिकी कांग्रेस ने इस मामले में ठोस पहल की है। वहां रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों से जुड़े दो सीनेटरों ने किड्स ऑनलाइन सेफ्टी बिल 2022 पेश किया है। जैसा कि स्पष्ट है, दोनों पार्टियों के सीनेटर मिलकर यह बिल लाए हैं, इसे पक्ष-विपक्ष दोनों का समर्थन हासिल है, इसलिए बिल के दोनों सदनों से पारित होने में किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए। बिल में ऐसे कई प्रावधान हैं जिनके जरिए टेक कंपनियों को उनके प्रोडक्ट्स का संभावित दुरुपयोग रोकने वाले फीचर्स डालने के लिए राजी किया जा सकेगा और उन्हें उनके प्रोडक्ट्स के संभावित दुष्परिणामों को लेकर ज्यादा जिम्मेदार बनाया जा सकेगा। उदाहरण के लिए, इसके मुताबिक सोशल मीडिया कंपनियों को यूजर्स की खातिर प्राइवेसी का विकल्प देना होगा और ऐसे फीचर्स जिनकी लत लगने की संभावना हो, उन्हें डिसेबल करने की सुविधा भी देनी होगी। इसी तरह ऐप में ऐसे टूल देना अनिवार्य होगा, जिनके जरिए पैरेंट्स इस पर नजर रख सकें कि बच्चे ऐप पर कितना वक्त बिता रहे हैं। यही नहीं, इन कंपनियों से यह भी अपेक्षा रहेगी कि वे बच्चों को संभावित नुकसानों से बचाने की दिशा में लगातार प्रयासरत रहें। यह देखते रहें कि बच्चे उनके प्रोडक्ट्स की वजह से खुदकुशी करने या खुद को नुकसान पहुंचाने की दिशा में न प्रवृत्त हों। इसके अलावा बिल में यह भी कहा गया है कि कंपनियां अपना दायित्व सही ढंग से निभा रही हैं या नहीं यह देखने की भी स्वतंत्र व्यवस्था होनी चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों के लिए नाबालिग यूजर्स से जुड़े डेटा शोध संस्थानों या निजी शोधकर्ताओं से साझा करना भी अनिवार्य होगा ताकि बच्चों के बिहेवियर पैटर्न में बदलाव और उनसे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर रिसर्च का काम निर्बाध रूप से आगे बढ़े। अमेरिकी कांग्रेस की इस ठोस पहल के पीछे पिछले कई महीनों से वहां इस मसले पर जारी गंभीर विचार-विमर्श की अहम भूमिका रही है, जिसकी शुरुआत फेसबुक को लेकर पिछले साल हुए खुलासों से ही हो गई थी। हालांकि फेसबुक ने पूर्व कर्मियों के इन आरोपों को गलत बताया कि वह यूजर्स की सेफ्टी के ऊपर मुनाफे को तरजीह दे रही थी, लेकिन इस विवाद से टेक कंपनियों पर कानूनी अंकुश की जरूरत रेखांकित हो गई। यह बिल कानून में बदल जाता है और इस पर ठीक से अमल होने लगता है तो बहुत संभव है कि इसका काफी कुछ फायदा अन्य देशों के यूजर्स तक अपने आप पहुंचने लगे। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। अन्य देशों को भी अपने यहां की विशिष्ट परिस्थितियों के मद्देनजर यूजर्स की सेफ्टी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इसमें और देर करना ठीक नहीं।

हिजाब पर हदें न लांघें

किरीट ए. चावड़ा

भारत में कुछ स्कूलों-कॉलेजों में हिजाब पहनने को लेकर हुए विवाद पर बयान जारी कर ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) ने अपने तकाजों और सरोकारों को खुद ही सवालों के घेरे में ला दिया है। भारत सरकार ने ठीक ही तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए इसे न केवल 'गलत इरादों से प्रेरित' और 'गुमराह करने वाला' बताया बल्कि यह भी कहा कि ओआईसी सेक्रेटेरियट निहित स्वार्थी तत्वों के प्रभाव में ऐसे बयान जारी कर खुद अपनी छवि को नुकसान पहुंचाता है। ओआईसी 57 मुस्लिम बहुल देशों का एक ग्रुप है। पाकिस्तान के प्रभाव में यह अक्सर भारत के खिलाफ रुख दर्शाता रहता है। पिछले साल ही संयुक्त राष्ट्र महासभा की 76वीं बैठक के दौरान ओआईसी ने भारत से यह अपील कर दी थी कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को फिर से बहाल करे। तब भी भारत ने उसे हिदायत दी थी कि वह देश के आंतरिक मामलों में दखल देना बंद करे। इस बार फिर उसने कर्नाटक में हिजाब को लेकर हो रहे प्रदर्शनों, हरिद्वार धर्म संसद में दिए गए बयानों और कई राज्यों में बनाए जा रहे कथित मुस्लिम विरोधी कानूनों को मुद्दा बनाने की कोशिश की है। लेकिन समझने की बात यह है कि भारत का अपना एक संविधान है, जो हर धर्म के नागरिकों को समान दृष्टि से देखता है। यहां स्वतंत्र न्यायपालिका है। अगर किसी प्रदेश के किसी स्कूल या कॉलेज में प्रशासन के फैसले से स्टूडेंट्स में नाराजगी भी है तो उन्हें अपनी नाराजगी व्यक्त करने का पूरा लोकतांत्रिक अधिकार है। फैसले के विरोध में अदालत जाकर अपने संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का विकल्प भी हर नागरिक को उपलब्ध है। ऐसे ही अगर किसी धर्म संसद में कुछ लोगों ने आपत्तिजनक बयान दे दिए तो न केवल संबंधित लोगों के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई के प्रावधान हैं बल्कि उन गलत बयानों का वैचारिक विरोध करने का अधिकार भी सभी नागरिकों के पास मौजूद है। जैसा कि इस मामले में दिखा भी है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत समेत कई अन्य लोगों ने धर्म संसद में जारी किए गए बयानों की कठोर निंदा की और संबंधित लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी हुई। लेकिन जो भी हुआ या नहीं हुआ, यह हमारे देश के अंदर का मामला है। यह देश के नागरिकों को तय करना है कि किसी खास मामले में पुलिस, प्रशासन या सरकारी तंत्र का रुख कितना सही या गलत है और जो गलत है उसे ठीक कराने के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का कब, कितना इस्तेमाल करना है। ओआईसी जैसा कोई संगठन जब ऐसे मसलों पर बयान जारी करता है तो वह न केवल एक देश के आंतरिक मामले में बेजा दखलंदाजी करने का दोष अपने सिर पर लेता है बल्कि अपनी दूषित मानसिकता का परिचय देते हुए अपने उद्देश्यों और इरादों को भी संदिग्ध बनाता है।

फैंटेसी गेम्स बाजार तो बना, नियम कब बनेंगे

गणेश पाण्डेय

आईपीएल सीजन की शुरुआत के साथ ही फैंटेसी गेम्स इंडस्ट्री को एक राहत खबर मिली है। सोमवार को कर्नाटक हाईकोर्ट ने भी राज्य सरकार के उस कानूनी संशोधन को नकार दिया है, जिसमें सरकार ने ऐसे गेम्स को अवैध करार दिया था। लेकिन अदालत ने यह भी कहा कि इससे सरकार इस पर कानून बनाने के अधिकार से वंचित नहीं होती है।

फैंटेसी गेम्स, यानी वो गेम्स, जिन्हें ऑनलाइन खेलने के लिए एक खास स्किल की जरूरत होती है। भारत में लोगों में क्रिकेट का स्किल ज्यादा है तो ऐसे गेम्स में भी क्रिकेट का दखल ज्यादा है, 70 प्रतिशत के आसपास। अमेरिका में बास्केटबॉल और बेसबॉल का क्रेज है, तो वहां लोग वैसे ऑनलाइन गेम्स पर दांव लगाते हैं। भारत में ऑनलाइन क्रिकेट के अलावा तीन पत्ती, रौलेट, ब्लैक जैक या अंदर-बाहर जैसे गेम्स भी खूब चलते हैं।

कर्नाटक से पहले केरल, मद्रास, पंजाब व हरियाणा, राजस्थान और बॉम्बे हाईकोर्ट में ऐसे मामले आ चुके हैं, जिनमें राज्य सरकारों ने स्किल बेस्ड गेम पर रोक लगाने की कोशिश की, लेकिन अदालतों ने

इसे खारिज कर दिया। कर्नाटक वाले केस की जब पिछली सुनवाई हो रही थी, तो गेम इंडस्ट्री की ओर से पेश हुए एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत में कहा था कि राज्यों के पास मौके के खेल पर कानून बनाने की छूट है, स्किल के खेल पर नहीं। वहीं कर्नाटक सरकार के महाधिवक्ता प्रभुलिंग के. नवदगी का कहना था कि इस तरह की गेमिंग शराब से भी बड़ा नशा है। मौके के खेल की तरह इन खेलों में भी परिणाम अज्ञात ही रहते हैं।

जाहिर है, यह बहस जल्दी रुकने वाली नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने हॉर्स ट्रेडिंग और रमी को वैध बनाने का एक फैसला सन 1966 में दिया था, जिसमें उसने मौके के खेल और स्किल के खेल में फर्क बताया था। इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका सुप्रीम कोर्ट में पड़ी हुई है, जिसमें आने वाला फैसला इस भेद को और साफ करेगा। दूसरी ओर कर्नाटक हाईकोर्ट के ताजा फैसले में राज्य की अपनी विधायी शक्तियों के

प्रयोग पर कोई रोक नहीं लगती, इसलिए अब मामला सरकारों के पाले में है कि वे इसे कैसे विनियमित करती हैं। फैसले के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री अरगा जनेंद्र ने कहा कि वह जल्द ही इस पर कानून का ऐसा ड्राफ्ट लाएंगे, जो कोर्ट में भी टिकेगा। स्टैटिस्टा पर इस इंडस्ट्री में लगे पैसे का अंदाजा मिलता है। इसके मुताबिक 2020 तक भारत में इनका सालाना कारोबार 20 अरब रुपये का था, जो 2025 तक 50 अरब रुपये होगा। इस साल के अंत तक ऐसे गेम्स खेलने वालों की संख्या 35 करोड़ के आसपास होगी। इसी महीने वित्त मंत्री ने अपने बजट में गेम्स और एनिमेशन इंडस्ट्री को बढ़ाने के बारे में प्रस्ताव भी रखा। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक अभी इस इंडस्ट्री में तकरीनब 38 हजार लोग काम करते हैं, जो 2025 तक 1 लाख 20 हजार हो जाएंगे।

2020 की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की पूरी गैंबलिंग इंडस्ट्री का 15 फीसद हिस्सा यहीं का है। यह इस इंडस्ट्री का एक मोटा खाका है।

वैसे सरकार इस इंडस्ट्री से पहले से ही कमा रही है। लॉटरी की ही तरह इनसे होने वाली आय पर भी इनकम टैक्स पूरे 30 प्रतिशत कटता है। इस तरह का गेम खिलाने वाली कंपनियां पहले ही 30 प्रतिशत टीडीएस काटकर पैसा देती हैं। इन कंपनियों को भी जीएसटी देना होता है, वह अलग है। फिलहाल इंग्लैंड, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यूरोप कुछ देशों में सट्टेबाजी लीगल है। 2019 का एक डेटा बताता है कि ऑस्ट्रेलिया ने बेटिंग से 11 अरब डॉलर, यानी 81 हजार करोड़ रुपये और कनाडा ने करीब 15 अरब डॉलर, यानी 1 लाख 11 हजार करोड़ रुपये कमाए थे।

कोरोना काल के बाद जिस तरह से इन गेम्स का बाजार तेजी से बढ़ा है, उससे पता चलता है कि इसकी सामाजिक स्वीकार्यता भी बढ़ी है। बहुत से विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर सरकार इसे ठीक से विनियमित करे, तो साल के 20 हजार करोड़ रुपये कहीं नहीं गए हैं। फिर ठीक से विनियमित होने पर इस पर खेलने वाले भी ठगे जाने से बचेंगे, जो अभी खूब ठगे जा रहे हैं।

नेताओं की सेवा में बाबुओं ने क्या न किया

भूपेन्द्र पटेल

वह साल 2002 था। यूपी विधानसभा चुनाव हो रहे थे। राज्य में बीजेपी की सरकार थी, राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री थे। एक जिले में महिला डीएम तैनात थीं। चूंकि चुनाव हो रहे थे इसलिए वह जिला निर्वाचन अधिकारी की भूमिका में थीं, लेकिन उनकी गिनती राजनाथ सिंह के भरोसेमंद अफसरों में होती थी। मतगणना वाले दिन उनके जिले में एक सीट पर बहुत नजदीकी मुकाबला देखने को मिल रहा था। समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार बहुत थोड़े वोटों से आगे था। इसी बीच एक ईवीएम में कुछ ऐसी तकनीकी दिक्कत खड़ी हो गई कि वह खुल ही नहीं रही थी, जिससे वोट गिने जा सकें। वैसे उस मशीन में जितने वोट थे, अगर वे सब बीजेपी को चले जाते तो भी समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार की बढ़त बनी रहती। इसलिए बीजेपी उस बूथ पर पुनर्मतदान की मांग करने लगी। उसे उम्मीद थी कि अगर उस बूथ पर पुनर्मतदान हो जाए तो हो सकता है कि ज्यादा वोट पड़ जाएं और उसका उम्मीदवार जीत जाए। उधर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को डर था कि नतीजा पलट भी सकता है। इसलिए वह उस मशीन में पड़े सारे वोट बीजेपी के मान लेने पर तैयार था। समाजवादी पार्टी की मांग थी कि नतीजा रोका न जाए, घोषित कर दिया जाए। लेकिन जिला निर्वाचन अधिकारी ने अगले आदेश तक रिजल्ट होल्ड पर डाल दिया। मुलायम सिंह यादव उस अधिकारी को फोन मिलवाते रहे, लेकिन वह उनसे बात करने को राजी नहीं हो रही थीं। मुलायम सिंह ने उस समय के राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मार्फत महिला अधिकारी से संपर्क करना चाहा, तब भी बात नहीं बनी। मुलायम चाहते थे कि जिला निर्वाचन अधिकारी उनकी पार्टी का भी पक्ष सुनें, तभी कोई फैसला लें।

मुलायम के घर बजी फोन की घंटी

उधर पूरे राज्य की मतगणना अंतिम दौर में पहुंच गई। यह लगभग पक्का हो गया कि बीजेपी सत्ता में नहीं लौट रही है। बहुमत तो समाजवादी पार्टी को भी नहीं मिल रहा है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरेगी। इसी बीच अचानक मुलायम सिंह यादव के घर फोन की घंटी बजी। उस वक्त वह अपने ड्रॉइंग रूम में थे और

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ अगली रणनीति पर विमर्श कर रहे थे। उन्हें बताया गया कि अमुक जिले की जिला निर्वाचन अधिकारी उनसे बात करना चाहती हैं। मुलायम सिंह यादव फोन लाइन पर आए। उस अफसर ने बताया कि ‘काउंटिंग में जो पेंच फंस गया था, वह दूर हो गया है। आपके उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया गया है।’ इस सूचना पर जब मुलायम सिंह यादव ने अपने उम्मीदवार को बधाई देने के लिए फोन मिलवाया, तो पता चला उस समय तक उसे भी अपनी जीत की जानकारी नहीं थी। उस अफसर ने उम्मीदवार से पहले मुलायम सिंह यादव को खबर करना जरूरी समझा था।

यहीं से उस अफसर ने मुलायम सिंह यादव का भरोसा जीत लिया। चूंकि किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था, इसलिए शुरुआत के दो महीने तक राष्ट्रपति शासन ही लगा रहा। फिर मायावती ने बीजेपी के समर्थन से मई 2002 में सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार ज्यादा चल नहीं पाई। इसके बाद 2003 में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने तो वह महिला अधिकारी राज्य में सबसे पावरफुल अफसर बनकर उभरीं। यहां तक कि उस वक्त के तमाम बड़े अफसर भी उनके जरिए ही अपनी बात मुलायम सिंह यादव तक पहुंचाते थे। कई मौकों पर उनकी वजह से प्रोटोकॉल को लेकर विवाद भी खड़ा हुआ। ऐसा भी हुआ, जब उनके मुकाबले किसी मंच पर किसी विधायक या सांसद को जगह नहीं मिल पाई, लेकिन उस पूरे कार्यकाल में वह राज्य की सबसे ताकतवर अफसर के रूप में स्थापित रहीं। मुलायम सिंह यादव की इसी सरकार में मुख्य सचिव हुआ करते थे- नवीन चंद्र वाजपेयी। पार्टी कार्यालय में सरकार की सालगिरह पर आयोजित एक कार्यक्रम में नवीन चंद्र वाजपेयी मंच पर देखे गए। चूंकि वह कार्यक्रम पार्टी ने आयोजित किया था, उसमें एक मुख्य सचिव के मौजूद रहने को लेकर विवाद शुरू हो गया जिसकी आग में घी डालने का काम किया उनके एक शेर ने। उन्होंने मुख्यमंत्री की बड़ाई में मंच से ही एक शेर पढ़ा था, ‘कुछ लोग होते हैं जो सांचों में ढल जाते हैं, और कुछ के लिए सांचे ही बदल जाते हैं।’ यह ‘शेर’ उनकी निष्ठा के साथ ऐसा चस्पां हुआ कि वर्ष 2007 में विधानसभा चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें मुख्य सचिव पद से हटाने का आदेश दिया। आयोग ने कहा कि उनका झुकाव समाजवादी पार्टी की तरफ साफ दिख रहा है, उनके इस पद पर रहते निष्पक्ष चुनाव की संभावना कतई नहीं है। इसी तरह मायावती के कार्यकाल में राजधानी लखनऊ में एक डीएम हुआ करते थे। बीएसपी की सरकार में कांशीराम का दबदबा किसी से छुपा नहीं था। उस डीएम ने कांशीराम की ‘सेवा’ में ही अपना भविष्य देखना शुरू कर दिया। कांशीराम के पास कोई सरकारी पद नहीं था, बावजूद इसके, कांशीराम के लखनऊ आने पर वह उनके साथ ही देखे जाते।

प्रेम जाल में फंसाकर बनाया अश्लील वीडियो, महाराष्ट्र के वर्धा में डॉक्टर के साथ सेक्सटॉर्शन

- महाराष्ट्र के वर्धा में डॉक्टर हुआ ठगी का शिकार
- महिला मित्र ने डॉक्टर से लूटे साढ़े तीन लाख रुपए
- फेसबुक पर डॉक्टर की एक युवती से हुई थी दोस्ती
- न्यूड वीडियो बनाकर महिला ने डॉक्टर को किया ब्लैकमेल

वर्धा: महाराष्ट्र के वर्धा जिले से एक सेक्सटॉर्शन का मामला सामने आया है। जहां आरोपी महिला ने पहले एक डॉक्टर को अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर पीड़ित का भरोसा जीतने के बाद उसका न्यूड वीडियो बनाया। इसके बाद शुरू हुआ महिला द्वारा डॉक्टर को ब्लैकमेल करने का सिलसिला। आजकल साइबर क्रिमिनल्स द्वारा इस तरह से लोगों को फंसाकर लूटने का मामला सामने आ रहा है। पीड़ित डॉक्टर भी ऐसे ही गैंग का शिकार हुआ था। आरोपी महिला ने पीड़ित डॉक्टर से तीन लाख 25 हज़ार 540 रुपये ब्लैकमेल कर लूट लिए। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत वर्धा के सावंगी पुलिस स्टेशन में की है।

क्या है मामला

वर्धा के सावंगी इलाके के मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर की फेसबुक पर एक युवती से जान पहचान हुई। दोनों में दोस्ती होने के बाद महिला डॉक्टर युवक से वीडियो कॉल कर के बात करने लगी। इस दौरान महिला ने खुद की और डॉक्टर का न्यूड वीडियो बनाकर उसे व्हाट्सएप पर पोस्ट किया। बाद में इस वीडियो को डिलीट करने के लिए महिला ने डॉक्टर से लाखों रुपए ब्लैकमेल कर वसूल लिए।

दो बार में लूटे सवा तीन लाख रुपए

समाज में बदनाम होने के डर से डॉक्टर ने फोन पे और गूगल पे के जरिए महिला के अकाउंट में 60 हजार भेजे। लेकिन प्रेम के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने वाली महिला यहीं नहीं रुकी। उसने डॉक्टर से दोबारा पैसों की मांग की। जिसके बाद डॉक्टर ने दोबारा महिला के एकाउंट में दो लाख 65 हजार 540 रुपए भेजे। इस प्रकार महिला ने डॉक्टर से कुल मिलाकर तीन लाख 25 हजार 540 रुपए की वसूली की।

वेब सीरीज के नाम पर तीन बौनों के साथ मॉडल से जबरन करवाया सेक्स, एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ पर आरोप

मुंबई: देश की आर्थिक राजधानी में मुंबई पुलिस ने एक फिल्म प्रोडक्शन को-ऑर्डिनेटर और तीन बौनों को एक 24 वर्षीय मॉडल के साथ रेप करने के मामले में गिरफ्तार किया है। यह मामला एक साल पुराना है। इस मामले में पीड़ित मॉडल ने अभिनेत्री गहना वशिष्ठ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई थी। यह गिरफ्तारियां इसी मामले में की गई हैं।

एसआईटी कर रही थी जांच

आपको बता दें कि इस मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम(एसआईटी) कर रही थी। यह टीम चार मामलों की जांच में तकरीबन एक साल से जुटी हुई है। जिसमें फ़िल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा भी केस शामिल है। इस मामले में पुलिस ने फ़िल्म को-ऑर्डिनेटर नरेश पाल, सलीम सैयद, अब्दुल सैयद और अमन बर्नलवाल को गिरफ्तार किया है। कई दिन सलाखों के भीतर गुजारने के बाद राज कुंद्रा फिलहाल जमानत पर बाहर हैं। यह पॉर्नोग्राफिक फ़िल्म रैकेट बीते वर्ष फरवरी के महीने में सामने आया था। जब मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मड आइलैंड के एक बंगले पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच जब मौके पर पहुचीं, तब वहां एक अश्लील फिल्म की शूटिंग हो रही थी।

ईडी की हिरासत में इकबाल कासकर, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में दर्ज हुई है FIR

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1993 के मुंबई बम धमाकों के मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहीम के भाई इकबाल कासकर को मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेल में बंद कासकर के खिलाफ हाल ही में धनशोधनका एक मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक कथित रंगदारी के कई मामलों में पहले से ही ठाणे की जेल में बंद कासकर को ताजा मामले में हिरासत में लिया गया है। कासकर को विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा, जिसने 16 फरवरी को उसके खिलाफ पेशी वारंट जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय नये मामले में भगोड़े गैंगस्टर इब्राहीम और मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े अन्य लोगों के बारे में कासकर से पूछताछ के लिए उसकी हिरासत की मांग कर सकता है।

ईडी ने की कार्रवाई

इकबाल कासकर के खिलाफ नया मामला दर्ज होने और 15 फरवरी को मुंबई में अंडरवर्ल्ड के संचालन, कथित अवैध संपत्ति सौदों और हवाला लेनदेन से जुड़े छापेमारी के बाद ईडी ने यह कार्रवाई की है। इब्राहीम की दिवंगत बहन हसीना पारकर, कासकर और गैंगस्टर छोटा शकील के बहनोई सलीम कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट से संबंधित परिसरों सहित कुल 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ईडी ने छापेमारी के बाद कुरैशी से पूछताछ भी की थी।

मोबाइल गेम के चक्कर में छात्र ने लगाई फांसी! जांच में जुटी मुंबई पुलिस

- मुंबई में एक 14 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या
- मोबाइल गेमिंग के चक्कर में आत्महत्या करने का शक

मुंबई:देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के भोईवाडा पुलिस के अंतर्गत 14 वर्षीय एक छात्र ने कथित तौर पर ऑनलाइन गेम खेलने के चक्कर में आत्महत्या कर ली। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या खेल में किसी कार्य या चुनौती को पूरा करने के दौरान उसने ऐसा कदम उठाया था। पुलिस के अनुसार, कक्षा 7 के इस छात्र को फ्री फायर गेम खेलने की लत थी। इसे भारत सरकार ने सोमवार को कुछ अन्य मोबाइल ऐप के साथ प्रतिबंधित कर दिया था।

जोन 4 के पुलिस उपायुक्त विजय पाटील के मुताबिक, ऐसा कदम उठाने के लिए छात्र को किस बात ने प्रेरित किया है, यह अभी जांच का विषय है। हालांकि, लड़के के माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि छात्र को गेम खेलने की कोई लत नहीं थी। वह एक होनहार छात्र और क्रिकेट(Cricket) खेलने का शौकीन था।

फॉरेंसिक जांच से चल सकेगा पता

लड़के के मोबाइल फोन को जब्त कर उसके सीडीआर की जांच की जा रही है, जबकि इंटरनेट ब्राउजिंग हिस्ट्री की जांच के लिए उसे फॉरेंसिक लैब भेज दिया गया है।

मृतक छात्र के पिता एक निर्माण कंपनी में डिजाइनर हैं। उन्हें रविवार शाम को 7.22 बजे बेटे का फोन आया था। चूंकि, वह उस समय पत्नी के साथ बाहर थे, इसलिए कॉल नहीं उठा पाए। कुछ देर बाद जब उन्होंने वापस कॉल किया, तो बेटे ने रिसीव नहीं किया। जब वे घर लौटे, तो बेटे को फांसी पर लटकते हुए पाया।

बीएमसी के स्कूलों में भगवद गीता का पाठ कराने की मांग, बीजेपी पाषर्द ने भेजा प्रस्ताव

मुंबई: मुंबई में भाजपा की एक महिला पार्षद ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका के स्कूलों में अगली पीढ़ी में सही मूल्यों को विकसित करने के लिए भगवद गीता के श्लोकों का पाठ कराने की मांग की। योगिता कोली जो पश्चिमी उपनगर मलाड से हैं ने बीएमसी के समक्ष इस आशय का प्रस्ताव पेश किया। कोली बीएमसी की महिला एवं बाल कल्याण समिति और जनस्वास्थ्य समिति की सदस्य हैं। प्रस्ताव से संबंधित नोटिस में उन्होंने कहा कि भगवद गीता भारतीय दर्शन पर आधारित एक प्राचीन ग्रंथ है। इसमें कहा गया है कि इस ग्रंथ में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को जीवन के बारे में दी गई शिक्षाएं शामिल हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, भगवद गीता का ज्ञान न सिर्फ इंसान को सर्वोच्च संतुष्टि और खुशी का एहसास कराता है, बल्कि मोक्ष का मार्ग खोजने में उसकी मदद भी करता है, यही कारण है कि इसे 'मोक्षशास्त्र' भी कहा जाता है। इसमें कहा गया है कि माना जाता है कि यह ग्रंथ इंसान को सर्वोच्च ज्ञान प्रदान करता है और जीवन जीने के सही तरीके के बारे में उसका मार्गदर्शन करता है।

10वीं और 12वीं के बीमार स्टूडेंट्स के लिए हर सेंटर पर अलग कमरे

वैक्सीनेशन की जरूरत नहीं, सभी को मिलेगा एग्जाम देने का मौका

- सर्दी, खांसी से पीड़ित विद्यार्थियों को अन्य विद्यार्थियों से दूर रखने की योजना बोर्ड ने तैयार कीकोई भी विद्यार्थी परीक्षा से नहीं रहेगा वंचित
- परीक्षाओं में शामिल होने के लिए वैक्सीनेशन जरूरी नहीं
- बोर्ड परीक्षा में करीब 7 लाख विद्यार्थी शामिल होने वाले हैं

मुंबई: 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में करीब 7 लाख विद्यार्थी शामिल होने वाले हैं। कोई भी विद्यार्थी परीक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए बोर्ड ने तैयारी शुरू कर दी है। सर्दी, खांसी जैसी परेशानी से पीड़ित विद्यार्थियों को अन्य विद्यार्थियों से दूर रखने की योजना बोर्ड ने तैयार की है। इसके तहत बोर्ड ने हर सेंटर में करीब दो विशेष कक्षाओं की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है। इन क्लास की व्यवस्था विशेष तौर पर बीमार विद्यार्थियों के लिए परीक्षा देने के लिए की गई है। क्लास रूम को सैनेटाइज किया जाएगा मुंबई बोर्ड के चेयरमैन नितिन उपासनी के मुताबिक, सेंटर में आने वाले हर विद्यार्थी का तापमान चेक किया जाएगा। अगर किसी विद्यार्थी का टेम्प्रेचर सामान्य है, लेकिन उसे सर्दी या खांसी है तो ऐसे विद्यार्थियों को घर लौटाने के बजाय उनके एग्जाम लिखने के लिए अलग से क्लास रूम की व्यवस्था की जा रही है। इस व्यवस्था से कोई भी विद्यार्थी परीक्षा से वंचित नहीं रहेगा। सेंटर के अन्य विद्यार्थी भी रोग मुक्त रहेंगे। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परीक्षा खत्म होने के तत्काल बाद क्लास रूम को सैनेटाइज किया जाएगा।

ऑफलाइन तरीके से परीक्षा मुंबई मंडल से 10वीं की परीक्षा में 3,71,838 और 12वीं की परीक्षा के लिए 3,33,046 विद्यार्थी शामिल होने वाले हैं। बोर्ड ने परीक्षा में शामिल होने के लिए टीकाकरण को अनिवार्य नहीं किया है। मुंबई समेत राज्य में कोरोना के केस कम होने के बाद शिक्षा विभाग ने ऑफलाइन तरीके से परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने जहां स्कूल, वहां सेंटर की योजना बनाई है। इसके तहत बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का सेंटर उनके ही स्कूल में बनाया जाएगा।

6 करोड़ का हुआ स्टेशनरी घोटाला

नागपुर। मनपा में 6 करोड़ के आसपास स्टेशनरी घोटाला होने के निष्कर्ष पर जांच समिति पहुंची है। घोटाले की व्याप्ति बड़ी रहने से इसकी गहन जांच करने की सिफारिश की गई। जांच समिति ने गुरुवार को प्राथमिक जांच रिपोर्ट बंद लिफाफे में महापौर को सौंप दी। स्वास्थ्य विभाग में 67 लाख का घोटाला उजागर होने पर सदन की मंजूरी से सत्तापक्ष नेता अविनाश ठाकरे की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की गई थी। महापौर को सौंपी गई रिपोर्ट में विविध विभागों के विभाग प्रमुखों समेत अधीनस्थ कर्मचारियों की लिप्तता बताई गई है। स्टेशनरी घोटाले से जुड़े पांच विभागों की जांच की गई, जिसमें स्वास्थ्य विभाग, ग्रंथालय विभाग, शिक्षण विभाग, जन्म-मृत्यु विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग का समावेश है।

कारंजा-अकोला मार्ग पर ऑटो पलटने से 6 घायल

कारंजा (लाड़)। जुड़वा हनुमान मंदिर से आगे पावर हाउस के पास यात्री आटो चालक का नियंत्रण खोने से पलटी खा गया। बुधवार 16 फरवरी को दोपहर 1.30 बजे के आसपास हुए इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए जिन पर स्थानीय उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय गरीब नवाज़ कालोनी की कुछ महिलाएं यात्री आटो क्रमांक एमएच-30 एए 4541 में सवार होकर अपने रिश्तेदार मरीज़ को देखने के लिए मुर्तिजापुर तहसील के ग्राम सिरसो जा रही थी की कारंजा-अकोला मार्ग पर पावर हाउस के समीप चालक का नियंत्रण खोने से आटो सड़क से नीचे उतरकर पलटी खा गया। इस हादसे में चार लोगों को गंभीर चोटें आई जबकि दो को मामूली चोटें आई। अस्पताल रजिस्टर के मुताबिक घायलों में शेख मोइन शेख सलीम (22), आलिया परवीन आरिफ खान (15), आयशा बी मिया खान (72), समरीन परवीन हबीब खान (40), सुलताना बी सलाबत खान (42), अफ्फान खान हबीब खान (8) का समावेश है जिन पर डा. एन.आर. सालुंके ने प्राथमिक उपचार कर गंभीर रुप से घायलों को आगे के उपचारार्थ भेजा गया है।

पैसों का लालच देकर गरीबों से खुलवाते थे बैंक खाता, फिर डालते थे ठगी का पैसा

मुंबई। लोगों को कुछ हजार रुपए का लालच देकर उनके नाम पर साइबर ठगी के लिए बैंक खाता खोलने वाले दो आरोपियों को मुंबई पुलिस की साइबर सेल ने दबोचा है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 43 आधार/पैन कार्ड बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपी दिल्ली और उत्तर प्रदेश में बैठे गिरोह के दूसरे सदस्यों से संपर्क में थे। मामले में गिरफ्तार आरोपियों के नाम अजहर अनीस अंसारी और राजकुमार पांडेय है। मध्य प्रादेशिक विभाग (साइबर) के सीनियर इंस्पेक्टर किशोर शिंदे ने बताया कि मुंबई के वरली इलाके में रहने वाली एक महिला से ठगी के लिए इस्तेमाल हुए बैंक खाते की जानकारी हासिल करते समय पहले अंसारी और फिर पांडेय पुलिस के हत्थे चढ़े। दरअसल महिला ने मैट्रिमोनियल (वैवाहिक) वेबसाइट पर अपना प्रोफाइल बनाया था।

भाजपा विधायक का आरोप : इलेक्ट्रिक बसों की खरीद में हुआ करोड़ों का घोटाला

मुंबई। भाजपा विधायक मिहिर कोटेचा ने आरोप लगाया है कि मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की इलेक्ट्रिक बसो की खरीद में करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ है। शुक्रवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कोटेचा ने कहा कि 200 इलेक्ट्रिक बसो के टेंडर पर 900 बसो की खरीदारी कर ली गई। भाजपा विधायक ने कहा कि मैं पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे से पूछना चाहता हूं कि टेंडर 200 बसो की खरीदारी के लिए निकाला गया तो 900 बस की खरीद कैसे हो गई। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शुद्ध हवा वायु अभियान के तहत 3600 करोड़ रुपये की राशि मुंबईकरों को शुध्द हवा मिले इसलिए दिया गया था। लेकिन इसका लाभ ठेकेदारों को मिल रहा है।

300 मुर्गियों की हुई मौत - मारी गई 23 हजार मुर्गियां, नष्ट किए 1303 अंडे

मुंबई। बर्ड फ्लू के चलते महानगर से सटे ठाणे जिले की शाहपुर तहसील में स्थित एक पोल्ट्री फॉर्म में 300 से ज्यादा मुर्गियों और 9 बतखों की मौत के बाद हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने एहतियातन आसपास के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित पोल्ट्री फार्मों में मौजूद 23 हजार 428 मुर्गियों को मार दिया गया है। प्रशासन ने 1303 अंडे, 3800 किलो खाद्य और 100 किलो कचरा (विष्ठा) भी नष्ट कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से बर्ड फ्लू फैलने से रोकने के लिए भी सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं लोगों से अपील की गई है कि वे घबराएं नहीं। पशुपालन विभाग ने शुक्रवार को इस मामले पर एक उच्चस्तरीय बैठक की है। ठाणे के जिलाधिकारी राजेश नार्वेकर ने बताया कि ठाणे जिले में वेहलोली इलाके के अलावा किसी अन्य जगह पर बर्ड फ्लू का मामला सामने नहीं आया है।

अभी और दो दिन तक है हल्की बारिश के आसार

नागपुर। अलग-अलग दिशा से आ रही हवा के कारण उपराजधानी के मौसम का मिजाज बदल गया है। बुधवार देर रात व गुरुवार को दिन में हुई बारिश के कारण दिन के तापमान में जबर्दस्त कमी आई है। पिछले 24 घंटे में दिन के तापमान में 7.2 डिग्री सेल्सियस की कमी आई है। रात के तापमान में मामूली कमी आई है। हल्की बारिश व दिन भर बादल छाए रहने से बाजारों में भी चहल-पहल कम रही। गुरुवार को अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

जंक फूड के लिए प्यार

हिरल शाह

काम पर जाते समय झटपट नाश्ता करना नाश्ते का नया चलन है। इसके अलावा, स्वस्थ घर के बने भोजन को आपके पसंदीदा फास्ट-फूड जोड़ों से आसानी से उपलब्ध खाद्य पदार्थों से बदल दिया जाता है। बच्चे इन दिनों इन खाद्य पदार्थों को पसंद करते हैं और अपनी पोषण संबंधी आवश्यकता को पूरा करते हैं। जबकि यह केवल जीभ के लिए संतोषजनक हो सकता है, इन जंक फूड्स में बहुत कम पोषण मूल्य होता है।

अपने व्यस्त जीवन में हम अक्सर जंक फूड खाने का सहारा लेते हैं, लेकिन इसके नियमित सेवन से शरीर को कुछ अपूरणीय क्षति हो सकती है। अधिक स्पष्ट रूप से वसायुक्त खाद्य पदार्थ कहा जाता है, लेकिन आपकी कमर पर उन कुछ इंच के अलावा, जंक फूड के कुछ गंभीर प्रभाव भी हैं। आइए जंक फूड के कुछ हानिकारक प्रभावों पर नजर डालते हैं जो आपके शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क पर भी असर डालते हैं:

मोटापा

जंक फूड के सबसे आम और प्रत्यक्ष प्रभावों में से एक व्यक्ति में मोटापे का बढ़ना है। जंक फूड में शर्करा, कैलोरी और वसा भरी हुई होती है जो वजन बढ़ाने का एक प्रमुख कारक है। इसके अलावा, मोटापा उन मुद्दों के लिए शुरुआती बिंदु है जो मधुमेह, जोड़ों के दर्द और विभिन्न हृदय रोगों जैसे उत्पन्न होते हैं।

भूख और पाचन में कमी

जंक फूड के बुरे प्रभावों में से एक है ज्यादा खाना। रक्त शर्करा के स्तर में उतार-चढ़ाव के कारण व्यक्ति आवश्यकता से अधिक खा सकता है। यह मस्तिष्क को सामान्य आवश्यकता से अधिक भोजन की मांग करता है। इसके अलावा, ऐसे खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याएं होती हैं, जो जंक फूड के सेवन के हानिकारक प्रभावों को बढ़ा देती हैं।

सीखने और याददाश्त की समस्या

शर्करा और वसा का अधिक सेवन मस्तिष्क के कार्य को दबा देता है जो सीखने और स्मृति निर्माण में मदद करता है। यह घटना विशेष रूप से बढ़ते बच्चों में तब देखी जाती है जब उनकी शिक्षा अपने उच्चतम स्तर पर होती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन द्वारा इसे और समर्थन दिया गया, जहां यह देखा गया कि जंक फूड के सेवन से खराब संज्ञानात्मक परीक्षण परिणाम सामने आए। परिणाम मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस क्षेत्र में अचानक सूजन में प्रदर्शित होते हैं, जो आपकी याददाश्त और पहचान के लिए जिम्मेदार होता है।

मानसिक प्रभाव अवसाद की ओर ले जाता है

जंक फूड का अधिक सेवन आपके मस्तिष्क की रासायनिक संरचना को बदल देता है। यह परिवर्तन आपके शरीर को ऐसे जंक फूड्स पर अधिक निर्भर बनाता है और उन्हें अधिक से अधिक तरसता है। यह लगभग एक लत की तरह काम करता है और लोग वापसी के लक्षणों से गुजरते हैं और अवसाद का कारण बन सकते हैं। यह आगे चलकर शरीर में हार्मोनल असंतुलन का कारण बनता है जिससे उन जंक फूड्स की अधिक इच्छा होती है।

तो इससे पहले कि आप उन चिप्स को पकड़ें या अपने फ़िज़ ड्रिंक की लालसा में दें, जंक फूड के उन सभी हानिकारक प्रभावों के बारे में सोचें जो न केवल आपके शरीर को बल्कि आपके दिमाग को भी प्रभावित करते हैं। जबकि आपके पास घर पर खाना बनाने और पकाने के लिए कम समय हो सकता है, अपने स्वास्थ्य के हित में वह अतिरिक्त कदम उठाएं और किसी भी अप्रत्याशित आपात स्थिति से खुद को सुरक्षित करने के लिए एक चिकित्सा बीमा पॉलिसी में निवेश करें। आखिर स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है।

अक्सर होने वाले सिरदर्द को न करें अनदेखा, इन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का हो सकता है संकेत

जीवनशैली में गड़बड़ी, तनाव, काम के दबाव जैसी स्थितियों के कारण सिरदर्द होना सामान्य माना जाता है। कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं के कारण भी सिरदर्द हो सकता है, पर अगर आपको लगातार ऐसी समस्या महसूस होती रहती है तो इस बारे में सावधान हो जाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक लगातार बने रहने वाले सिरदर्द की समस्या कई गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का संकेत भी हो सकती है, जिसपर शीघ्रता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

सामान्यतौर पर होने वाले सिरदर्द को हम कुछ दर्दनिवारक दवाइयों का सेवन करके ठीक कर लेते हैं। बिगड़ी जीवनशैली से लेकर मूड खराब होने तक, सिरदर्द कई स्थितियों में आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। अधिकतर सिरदर्द की समस्या किसी गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थिति का परिणाम नहीं होता है। हालांकि यदि आपको बार-बार सिरदर्द हो रहा है, तो इसके वास्तविक कारण को जानना और उसका इलाज कराना आवश्यक हो जाता है। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि लगातार बने रहने वाला सिरदर्द किन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है, जिसपर समय रहते ध्यान देना बहुत आवश्यक माना जाता है?

कुछ दवाओं का अधिक सेवन यदि आप भी अक्सर सिरदर्द की समस्या में खुद से ही दर्द की दवाओं का सेवन करते हैं, तो इस बारे में सावधान हो जाने की आवश्यकता है। सिरदर्द की दवाओं के अत्यधिक सेवन से भी दीर्घकालिक सिरदर्द की दिक्कत हो सकती है। दर्द निवारक दवाओं के अनियंत्रित सेवन के कारण शरीर में इसका रेजिस्टेंस बन जाता है जिसके कारण आपको लगातार इस तरह की दिक्कतों का अनुभव होता रह सकता है। इसलिए किसी भी दवा के सेवन से पहले डॉक्टरी सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

रक्त वाहिकाओं में सूजन

लगातार बने रहने वाली सिरदर्द की समस्या कई गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों का परिणाम हो सकती है, इसमें रक्त वाहिकाओं में सूजन को भी एक माना जाता है। मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में होने वाले सूजन के कारण रक्त का प्रवाह प्रभावित हो जाता है जिसके कारण भी आपको लगातार सिरदर्द महसूस होता रह सकता है। इस स्थिति को वास्कुलिटिस के रूप में जाना जाता है। इसके कारण ब्रेन डैमेज, स्ट्रोक या रक्त के थक्के बनने जैसी समस्याओं का भी जोखिम बढ़ जाता है।

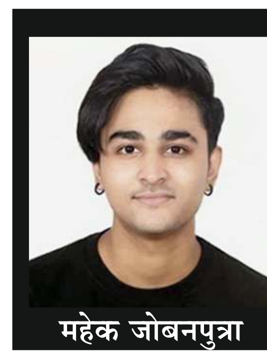
महेक जोबनपुत्रा

ब्रेन ट्यूमर की समस्या

सिरदर्द की लगातार बनी रहने वाली समस्या का एक कारण ब्रेन ट्यूमर भी हो सकता है। मस्तिष्क में कोशिकाओं के असामान्य वृद्धि की यह समस्या भी लगातार सिरदर्द का कारण हो सकती है। ब्रेन ट्यूमर को गंभीर स्वास्थ्य समस्या के तौर पर जाना जाता है, इसका समय पर निदान और इलाज न होने से मौत का खतरा भी बढ़ जाता है।

कोरोना महामारी ने बढ़ा दी है आंखों की समस्याएं, जानिए इसके लक्षण और बचाव के तरीके

रंजनबेन मसोया

पिछले दो साल से अधिक समय से दुनियाभर में जारी कोरोना के संक्रमण ने सेहत को बुरी तरह से प्रभावित किया है। महामारी के कारण शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के दुष्प्रभाव देखने को मिले हैं। विशेषकर डेल्टा जैसे वैरिएंट से संक्रमण के कारण लोगों को गंभीर जटिलताओं का सामना करना पड़ा। इन सब से अलग लोगों में कोरोना के अप्रत्यक्ष दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहे हैं, मतलब महामारी का असर उन लोगों की सेहत पर भी देखा जा रहा है जो संक्रमण का शिकार भी नहीं रहे थे। अध्ययनों से पता चलता है कि कोरोना महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन और होम आइसोलेशन जैसे नियमों के कारण सामान्य जीवनशैली प्रभावित हुई, जिसका कई तरह से सेहत पर दुष्प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। महामारी के दो साल बाद कई लोग आंखों से संबंधित तमाम तरह की समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक जीवनशैली में आए परिवर्तन ने दृष्टि शक्ति पर जबरदस्त दुष्प्रभाव डाला है।

महामारी के दौरान आंखों में सूखापन, खुजली, लालिमा, दोहरी दृष्टि, धुंधली दृष्टि से संबंधित शिकायतें तेजी से बढ़ी हैं। इस दौर की इन समस्याओं को 'डिजिटल आई स्ट्रेन' का नाम दिया गया है। आइए आगे की स्लाइडों में इस समस्या के बारे में विस्तार से जानने को कोशिश करते हैं।

डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है?

साल 2020 में इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक महामारी के दौरान कंप्यूटर, मोबाइल और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है। इनसे निकलने वाली ऊर्जा तरंगें और नीली रोशनी आंखों के लिए हानिकारक हो सकती है। यह रेटिना कोशिकाओं के फोटोकैमिकल को क्षति पहुंचाती है, जिसके कारण आंखों से संबंधित कई तरह की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। सामूहिक रूप से इन समस्याओं को डिजिटल आई स्ट्रेन (डीईएस) या कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है।

डिजिटल आई स्ट्रेन के क्या लक्षण होते हैं?

अमर उजाला से बातचीत में वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ कमल बी कपूर बताते हैं, महामारी के कारण लोगों का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है, जो कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकता है। इसके कारण आंखों में खुजली और सूखापन महसूस होना सबसे आम लक्षण हैं। अगर समस्या पर समय रहते ध्यान न दिया जाए या इसके लक्षणों को अनदेखा किया जाए तो इसके कारण व्यक्ति को प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता, धुंधला दिखाई देने और आंखों की पलकों में ऐंठन जैसी समस्या हो सकती है।

आंखों की इन समस्याओं से कैसे बचें?

डॉ कमल बताते हैं, चूंकि इन दिनों सामने आ रहे ज्यादातर केस का मुख्य कारण स्क्रीन टाइम का बढ़ना माना जा रहा है, ऐसे में सबसे पहले हमें इसे कम करने पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए समय-समय पर पलकों को झपकाने वाले अभ्यास, आंखों के सामान्य अभ्यास और हरियाली देखने जैसे अभ्यास करने से लाभ मिल सकता है।

आंखों की सेहत को ठीक रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना भी आवश्यक है।

जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर देती है जोड़ों में दर्द की यह समस्या, जानिए बचाव के आसान और प्रभावी तरीके

जीवनशैली की गड़बड़ी के कारण पिछले एक दशक में कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के मामलों में तेजी से उछाल देखने को मिला है। कई दिक्कतें तो ऐसी हैं जिन्हें पहले उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या माना जाता था हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसके शिकार होते जा रहे हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस ऐसी ही एक समस्या है, जिसके कारण जोड़ों में दर्द और जकड़न की समस्या हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ऑस्टियोआर्थराइटिस एक क्रोनिक और लगातार बढ़ते रहने वाली बीमारी है। यह कार्टिलेज की क्षति के कारण होने वाली समस्या है, कार्टिलेज हड्डियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या के कारण लोगों को जोड़ों में दर्द, अकड़न और अक्सर इसके चारों ओर की मांसपेशियों और लिगमेंट में दर्द हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या अक्सर कूल्हों, घुटनों, रीढ़ और हाथों को प्रभावित करती है। हार्वर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्टियोआर्थराइटिस जेनिटिक समस्या भी हो सकती है, यानी कि अगर आपके परिवार में किसी को यह दिक्कत रह चुकी है तो अन्य लोगों में भी इसका जोखिम हो सकता है। फिजियोथेरपिस्ट के अनुसार ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षणों को कम करने के लिए कुछ सामान्य से अभ्यास करना लाभदायक हो सकता है। आइए इस बारे में जानते हैं।

फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज (रेंज-ऑफ-मोशन)

डॉ जोहैब काजी बताते हैं कि ऑस्टियोआर्थराइटिस के लक्षणों को कम करने के लिए फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज करना मददगार हो सकता है। ऐसे व्यायाम का अभ्यास करना जोड़ों की गतिशीलता में सुधार करने, कठोरता को कम करने और जोड़ के आसपास के ऊतकों की कसाव को रोकने में मदद करते हैं। किसी विशेषज्ञ से मिलकर इस व्यायाम के तरीकों के बारे में समझ लें। शुरुआत में 8-12 रिपेटेशन किए जा सकते हैं। समय के साथ अभ्यास की अवधि को बढ़ा सकते हैं।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोई भी मांसपेशियां जिनका उपयोग कम किया जा रहा है वह विशेषरूप से 30 की आयु के बाद अपनी ताकत खोना शुरू कर देती हैं। यही कारण है कि सभी लोगों को रोजाना व्यायाम करने की सलाह दी जाती है जिससे कि शारीरिक सक्रियता बनी रहे। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज इसमें आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। ये व्यायाम जोड़ों के दर्द और जकड़न से राहत देने में मददगार माने जाते हैं। शुरुआत में इन अभ्यास के भी 8-12 रिपेटेशन किए जा सकते हैं। समय के साथ अभ्यास की अवधि को बढ़ा सकते हैं। एरोबिक एक्सरसाइज सामान्यतौर पर शरीर की सहनशक्ति को बढ़ाने वाले अभ्यास होते हैं। जोड़ों की समस्याओं को दूर करने के साथ हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी इन अभ्यास को बेहद फायदेमंद माना जाता है।

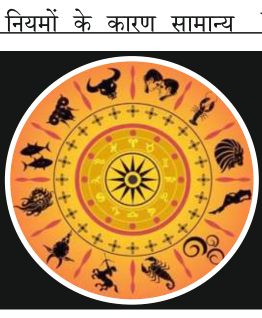

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए समय उत्तम है। पिछले दिनों की परेशानियों को भुलाकर नए सिरे से काम में जुट जाएं, सफलता अवश्य मिलेगी। निजी संबंधों का उपयोग स्वयं की उन्नति के लिए करें। नए कार्यो को प्रारंभ करने का समय है। आर्थिक स्थितियों में इस सप्ताह सुधार होगा। पारिवारिक जीवन उत्तम रहेगा। सभी का सहयोग और पूर्ण प्रेम प्राप्त रहेगा।

वृषभ : संकटपूर्ण परिस्थितियों से बाहर आ जाएंगे। धन की आवक बढ़ेगी। अटके कार्यो को सदप्रयासों से आगे बढ़ाने का प्रयास करें। आजीविका के साधनों पर ध्यान केंद्रित करें। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। व्यापारियों को विस्तार का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। मित्रों से भेंट होगी। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव थमेगा।

मिथुन : पारिवारिक समागम-मेलजोल वाला सप्ताह रहेगा। अपने कार्यो को करने के प्रति सजग रहें। पुराने मामलों का निपटारा होगा। मानसिक शांति प्राप्त होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी लेकिन यह आपको उन्नति की ओर ले जाएगा। व्यापारियों को लाभ होगा। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है।

कर्क : जीवन में स्थायित्व प्राप्त होगा। भागदौड़ थमेगी और मानसिक रूप से शांति अनुभव करेंगे। परिवार के मांगलिक प्रसंगों में शामिल होने का अवसर आएगा। धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें। अविवाहितों को विवाह प्रस्ताव मिलेगा। पारिवारिक कार्यो से यात्राएं होंगी। स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ सकता है।

सिंह : सरकारी सेवा क्षेत्रों से लाभ, राजपक्ष मजबूत रहेगा। आजीविका के साधनों में वृद्धि होगी। लंबे समय से चल रहा अस्थिरता का दौर समाप्त होगा। नए क्षेत्रों में पदार्पण करेंगे। पारिवारिक दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। अवसरों का लाभ लेने का प्रयास करें। किसी करीबी मित्र या रिश्तेदार की सहायता से नए कार्य-व्यवसाय की रूपरेखा बनेगी।

कन्या : यह सप्ताह मानसिक रूप से शांति वाला रहेगा। हड़बड़ाहट थमेगी और शांति से जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय ले पाएंगे। पारिवारिक और निजी संबंधों में चल रहा मनमुटाव दूर होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। किसी विशेष कार्य के पूरा होने की स्थिति है। नौकरीपेशा को उन्नति का अवसर मिलेगा, बस कार्यो को मन लगाकर करें।

तुला : इस सप्ताह पुराना अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। निवेश से लाभ होगा। भूमि, संपत्ति खरीदने का अवसर आएगा। पारिवारिक मांगलिक कार्यो में शामिल होंगे। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरीपेशा के पद और जिम्मेदारियों में बदलाव आएगा। सही अवसरों को पहचानकर उनका अधिकतम लाभ लेने का प्रयास करें।

वृश्चिक : मानसिक और शारीरिक रूप से इस सप्ताह थकान का अनुभव कर सकते हैं। किसी मित्र, रिश्तेदार या करीबी की सहायता से आर्थिक समस्या का तात्कालिक निदान होगा। कार्यो को मन लगाकर करें। नौकरी में बदलाव का समय है। व्यापारियों को कार्यो में शिथिलता का अनुभव होगा। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। नए प्रेम संबंध प्राप्त हो सकते हैं।

धनु : संबंधों को निभाने के लिए तत्पर रहें चाहे वह व्यावसायिक हों या निजी। धन का आगमन तो होगा लेकिन उसी अनुपात में खर्च होने का अनुमान भी है। मानसिक थकान का अनुभव करेंगे। निर्णय लेने में हड़बड़ी न करें। नए कार्य प्रारंभ न करें। नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण हो सकता है।

मकर : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचार से होगा। मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। शारीरिक रोग दूर होंगे और आप एक अतुलनीय ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नति के अवसर आएंगे। निजी संबंधों में गर्माहट बनी रहेगी। प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी।

कुंभ : स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी आ सकती है। मन को स्थिर और शांत करने के लिए ध्यान योग का सहारा लें। नौकरीपेशा लोगों को व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। व्यापारियों को हानि की आशंका है। शासकीय कार्यो में बाधा आ सकती है। अवसरों का उचित लाभ नहीं मिल पाएगा। नए लोगों से भेंट होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने के लिए कठिन प्रयास करने होंगे।

मीन : कठिन प्रयासों और कड़ी मेहनत का मीठा फल मिलने वाला है। निजी संबंधों को निभाने में सफल होंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। मित्रों से मेल-मुलाकात बढ़ेगी। आर्थिक लाभ होगा। निवेश से लाभ होगा। भूमि, संपत्ति खरीदने के योग हैं। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पुराने रोग परेशान कर सकते हैं। मन लगाकर कार्य करेंगे तो उचित लाभ प्राप्त होगा।

100वें जन्मदिन पर बुजुर्ग ने की दोबारा से शादी, घोड़ी पर गए दुल्हनिया लेने!

जन्मदिन यादगार होना चाहिए। और हां, जब बात हो जिंदगी के 100वें जन्मदिन की, तो भैया वो सिर्फ यादगार ही नहीं... बल्कि बेमिसाल होना चाहिए? जी हां, पश्चिम बंगाल के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने अपना 100वां इस अंदाज में सेलिब्रेट किया कि मामला सुर्खियों में छा गया। रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को मुर्शिदाबाद जिले के विश्वनाथ सरकार ने अपनी 90 वर्षीय पत्नी सुरोधवानी से दोबारा शादी की। यही उनका जिंदगी की सैंचुरी को सेलिब्रेट करने का अंदाज था। यादगार बन गया 100वां जन्मदिन... बुजुर्ग युगल की बहू गीता सरकार ने से कहा कि दोबारा शादी (पुनर्विवाह) कराने का विचार तब आया जब कुछ महीने पहले मैंने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा ही देखा था। इसके बाद, मैंने यह आइडिया परिवार के अन्य सदस्यों के साथ शेयर किया। फिर सभी ने इस प्लान को लागू करने में मेरा साथ दिया। साल 1953 में हुई थी कपल की शादी इस कपल की शादी साल 1953 में हुई थी। उनके बच्चे, पोते-पोतियां और परपोते दूसरे राज्यों में रहते हैं। हालांकि, शादी के लिए सभी गांव आए थे। बुजुर्ग कपल के पोतों में से एक पिंटो मोंडोल ने कहा, 'दुल्हन दूल्हे के परिवार में आती है। इसलिए, हमने उसी को ध्यान में रखकर योजना बनाई। भले ही हमारे दादा-दादी जियागंज के बेनियापुकुर गांव में रहते हैं। वैसे हमारा पुश्तैनी घर बामुनिया गांव में है, जो लगभग 5 किलोमीटर दूर है। मेरी दादी को दो दिन पहले वहां ले जाया गया था।' जब एक-दूसरे को पहनाई वरमाला...90 वर्षीय दुल्हन को तैयार करने में पोतियों ने मदद की। जबकि पोते ने 100 साल के दूल्हे को तैयार किया। विश्वनाथ, बुधवार को घोड़ी पर सवार होकर अपनी दुल्हनिया लेने बमुनिया गए। दूल्हे के पहुंचते ही आतिशबाजी की गई। इस मौके पर दूल्हा-दुल्हन ने एक-दूसरों को फूलों का हार पहनाया। विश्वनाथ ने कहा कि मेरे बच्चों ने एक दावत भी रखी थी, जिसमें परिवार के पड़ोसियों को भी बुलाया गया था।

राम रहीम की फरलो पर हरियाणा सरकार को हाईकोर्ट का नोटिस, 21 फरवरी तक मांगा जवाब

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को मिली 21 दिन की फरलो को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसकी आज सुनवाई हुई। इस दौरान पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर 21 फरवरी तक जवाब देने को कहा है। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को मामले से जुड़ा रिकॉर्ड भी पेश करने को कहा है। इसमें गुरमीत राम रहीम सिंह को दी गई फरलो का रिकॉर्ड भी शामिल है। जस्टिस बीएस वालिया की बेंच में केस की सुनवाई हुई। मामले में आगे की सुनवाई 21 फरवरी को होगी। बता दें कि गुरमीत राम रहीम सिंह को बीते 7 फरवरी को फरलो दी गई थी। फिलहाल वह गुरुग्राम के नामचर्चा घर में कड़ी सुरक्षा के बीच रह रहा है।

इंडिगो एयरलाइंस के सह संस्थापक राकेश गंगवाल ने बोर्ड से इस्तीफा दिया

एयरलाइन कंपनी इंडिगो के कोफाउंडर राकेश गंगवाल ने कंपनी के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही वे एयरलाइन में अपनी हिस्सेदारी भी कम करेंगे। गंगवाल ने यह निर्णय तब लिया है जब कोरोना महामारी के चलते भारतीय विमानन कंपनियां कठिन चुनौती से जूझ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट का UP सरकार को आदेश, CAA प्रोटेस्ट में हिंसा के लिए वसूला पैसा लौटाने को कहा

CAA (नागरिकता संशोधन कानून) के खिलाफ यूपी में हुए प्रोटेस्ट और तोड़फोड़ के खिलाफ राज्य सरकार सख्त एक्शन ले रही थी। योगी सरकार ने प्रदर्शनकारियों से प्रोटेस्ट के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए भारी रकम वसूली। वहीं अब सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से प्रदर्शनकारियों से रिकवर किए गए पैसे को वापस लौटाने को कहा है। बता दें कि योगी सरकार ने नागरिकता संशोधित कानून (CAA) के विरोध में हुई सभी कार्रवाई और भरवाई के लिए जारी 274 नोटिस वापस ले ली है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इसकी जानकारी दी है।

वैक्यूम ऑक्सीजन यूनिट में फंसे 3 मजदूरों की मौत

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्टील प्लांट में बड़ा हादसा हो गया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि दुर्गापुर स्टील प्लांट में वैक्यूम ऑक्सीजन यूनिट के अंदर फंसने से 3 मजदूरों की मौत हो गई है।

दाउद इब्राहिम का भाई इकबाल कासकर हिरासत में

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर को ठाणे जेल से हिरासत में लिया है। ED उसे शुक्रवार को ही मुंबई में PMLA के तहत पेश करेगी। इससे पहले मंगलवार को ED ने दाऊद की बहन हसीना पारकर के मुंबई स्थित घर पर छापेमारी की थी। ED अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों के कई स्थानों पर तलाशी ले रहा है। कुछ अंडरवर्ल्ड के भगोड़े और राजनेता भी रडार पर हैं।

श्रीनगर में आतंकियों ने पुलिस पर ग्रेनेड फेंका, एक सिपाही घायल

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर में आतंकियों ने पुलिस टीम के ऊपर हैंड ग्रेनेड से हमला किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना पुराने शहर के नौहट्टा एरिया के ख्वाजा बाजार में हुई है। इस हमले में एक पुलिसकर्मी ग्रेनेड की चपेट में आकर घायल हो गया है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान के जयपुर और सीकर में 3.8 तीव्रता के भूकंप के झटके

राजस्थान की राजधानी जयपुर और सीकर में आज सुबह 8.01 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मापी गई है। भूकंप का केंद्र जयपुर से 92 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में था। अभी तक जान माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसके बारे में जानकारी दी।

भारतीय नौसेना ने ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

ये मिसाइल 4300 KM प्रतिघंटा की रफ्तार से दुश्मन के ठिकाने को तबाह कर सकती है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत INS विशाखापत्तनम ने पश्चिमी समुद्र तट से ब्रह्मोस सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया है। इससे पहले 21 फरवरी को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेने के लिए युद्धपोत को विशाखापत्तनम लाया गया है। ब्रह्मोस मिसाइल 21वीं सदी की सबसे खतरनाक मिसाइलों में से एक है। यह एक सुपरसॉनिक क्रूज मिसाइल है। ये मिसाइल 4300 KM प्रतिघंटा की रफ्तार से दुश्मन के ठिकाने को तबाह कर सकती है। ये 400 किलोमीटर की रेंज में दुश्मन को निशाना बना सकती है।

38 को सजा-ए-मौत, 11 दोषियों को आजीवन कारावास

70 मिनट में 21 धमाकों से दहल गया था देश

अहमदाबाद में 2008 में हुए बम धमाकों के दोषियों को 13 साल बाद सजा सुनाई गई है।

गुजरात की विशेष अदालत इस सीरियल बम ब्लास्ट के 38 दोषियों को सजा-ए-मौत दी है। वहीं 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने पिछले मंगलवार को इस मामले में सुनवाई पूरी कर ली थी और 49 लोगों को पहले ही दोषी करार दिया था।

28 आरोपियों को बरी कर दिया गया था

अदालत ने इस मामले में 49 लोगों को दोषी करार दिया था और 28 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। 13 साल से अधिक पुराने इस मामले में अदालत ने पिछले साल सितंबर में मुकदमे की कार्यवाही पूरी कर ली थी। पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों ने साल 2002 में गुजरात दंगों का बदला लेने के लिए इन हमलों को अंजाम दिया था, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोग मारे गए थे।

एक के बाद एक धमाकों से हिल गया था अहमदाबाद

26 जुलाई 2008 को 70 मिनट की अवधि में हुए 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद को हिला कर रख दिया था। इन हमलों में 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक घायल हुए थे। पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों ने साल 2002 में गुजरात दंगों(गोधरा कांड) का बदला लेने के लिए इन हमलों को अंजाम दिया था, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोग मारे गए थे।

78 आरोपियों से हुई थी मुकदमे की शुरुआत

अहमदाबाद में सिलसिलेवार धमाकों के कुछ दिन बाद पुलिस ने सूरत के विभिन्न इलाकों से कई बम बरामद किए थे। इसके बाद अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 एफआईआर दर्ज की गई थीं। अदालत की ओर से सभी 35 एफआईआर को एक साथ जोड़ देने के बाद दिसंबर 2009 में 78 आरोपियों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत हुई थी। इनमें से एक आरोपी बाद में सरकारी गवाह बन गया था। इस मामले में बाद में चार और आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उनका मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन ने 1100 गवाहों का परीक्षण किया।

21 फरवरी से सभी स्कूल कॉलेजों में शुरू होंगी ऑफलाइन कक्षाएं, माता-पिता की लिखित सहमति से मिलेगा छात्रों को प्रवेश

देश में अभी कोरोना पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। इस बीच गुजरात शिक्षा विभाग ने एक बड़ा फैसला लिया है। यहां 21 फरवरी से गुजरात के सभी स्कूल, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में पूरी क्षमता के साथ ऑफलाइन कक्षाएं चलेंगी। कोरोना के सबसे तेजी से फैलने वाले वैरिएंट ऑमिक्रॉन के मिलने के बाद सब शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया था। छात्र अपने माता-पिता की लिखित सहमति से ही स्कूलों में जा सकते हैं कोरोना के वैरिएंट ऑमिक्रॉन के मामले बढ़ने के कारण स्कूलों और कॉलेजों को आठ जनवरी को बंद कर दिया गया था। हालांकि कक्षा 10 से 12 तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद नहीं थे। अब गुजरात के सभी छात्र स्कूलों और कॉलेजों में 21 फरवरी को सख्त कोविड -19 प्रतिबंधों और एसओपी का पालन करते हुए शिक्षण सस्थानों में वापस आ जाएंगे। हालांकि छात्र अपने माता-पिता या अभिभावकों की लिखित सहमति से ही स्कूलों में जा सकते हैं। राज्य में ऑफलाइन कक्षाएं सरकार द्वारा पहले जारी किए गए कोरोना मानकों (एसओपी) के अनुसार चलाई जाएंगी। वहीं सूरत के कुछ स्कूल छात्रों के मानसिक दवाब को कम करने के लिए माइंड फ्रेश एक्टिविटीज के साथ ऑफलाइन कक्षाएं शुरू कर चुके हैं। कोरोना वायरस के घटते मामलों के मद्देजनर स्कूल और कॉलेज अब नए कोविड -19 दिशानिर्देशों के अनुसार फिर से खुल रहे हैं। लगभग हर राज्य ने छात्रों को शारीरिक कक्षाओं में भाग लेने के लिए अपने माता-पिता या अभिभावकों से लिखित सहमति जमा करना अनिवार्य कर दिया है।

ईडी की कार्रवाई: यूनिटेक ग्रुप और प्रमोटर्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में नई चार्जशीट दाखिल

प्रवर्तन निदेशालय ने रियल्टी समूह यूनिटेक, उसके प्रमोटर भाइयों संजय चंद्रा और अजय चंद्रा और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में यहां एक अदालत में एक नया आरोपपत्र दायर किया है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि गुरुवार को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया गया और अदालत ने धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की विभिन्न धाराओं के तहत अभियोजन के अनुपालन वाले क्षेत्र का संज्ञान लिया। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि चार्जशीट में संजय चंद्रा, अजय चंद्रा, रमेश चंद्र (उनके पिता और यूनिटेक समूह के संस्थापक), प्रीति चंद्रा (संजय चंद्र की पत्नी), राजेश मलिक (आरोपी कंपनी कार्नोस्टी समूह के प्रमोटर) और 66 घरेलू और विदेशी कंपनियों को आरोपी बनाया गया है। फिलहाल पांचों न्यायिक हिरासत में हैं। यह दूसरा आरोपपत्र एजेंसी द्वारा आरोपियों के खिलाफ यह दूसरा आरोपपत्र है। पहला आरोपपत्र पिछले साल 2 दिसंबर को दायर किया गया था। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दायर दिल्ली पुलिस की दो प्राथमिकी का संज्ञान लेने के बाद 6 जून, 2018 को समूह, उसके प्रमोटरों और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने इस मामले में 43 छापे मारे हैं, 11 कुर्की आदेश जारी किए हैं, जिसमें अब तक कुल 763 करोड़ रुपये की 297 घरेलू और विदेशी संपत्ति शामिल है। अन्य आरोपी कंपनियों जैसे कार्नोस्टी ग्रुप, शिवालिक ग्रुप, त्रिकार ग्रुप के साथ-साथ चंद्रा से जुड़ी निजी और शेल (डमी) कंपनियों की संपत्तियां कुर्क की गई हैं। वहीं, ईडी ने शुक्रवार को कहा कि हत्या, जबरन वसूली और डकैती के कई मामलों में आरोपित तमिलनाडु के एक अपराधी की लगभग 25 करोड़ रुपये की संपत्ति को मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत कुर्क किया गया है।

गुजरात: भ्रष्टाचार के आरोप के बाद आठ पुलिस अधिकारियों का राजकोट से तबादला, पुलिस आयुक्त भी हैं शक के घेरे में

गुजरात के राजकोट में भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे आठ पुलिस अधिकारियों का राजकोट से बाहर तबादला कर दिया गया है। इसमें राजकोट क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर विरल गढ़वी व एसओजी इंस्पेक्टर रोहित रावल समेत क्राइम ब्रांच के छह सब इंस्पेक्टर शामिल हैं।

गुजरात पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक गढ़वी का तबादला वडोदरा के पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज तो एसओजी इंस्पेक्टर रोहित रावल का तबादला गांधीनगर कर दिया गया है। इसके अलावा क्राइम ब्रांच के छह सब-इंस्पेक्टर, प्रवी धाखड़ा, वनराजसिंह जडेजा, मयूरध्वजसिंह झाला, महेश रबारी, पृथ्वीराज जेबालिया और अजयराज खाचर का भी तलादला अन्य जिलों में कर दिया गया है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, भाजपा विधायक गोविंद पटेल ने अपने पत्र में दावा किया था कि राजकोट पुलिस आयुक्त ने एक व्यापारी से हवाला के पैसे लिए। इसमें 75 करोड़ रुपये की रिश्वत लिए जाने का आरोप लगाया गया था। दरअसल, राजकोट के उद्यमी महेश सखिया व जगजीवन सखिया ने कुछ लोगों को कारोड़ों की रकम उधार दी थी। इस रकम में से 15 करोड़ रुपये न चुकाने पर सखिया भाईयों ने राजकोट पुलिस आयुक्त मनोज अग्रवाल से इसकी शिकायत की। आरोप है कि उन्होंने प्राथमिकी न दर्ज करवाकर रकम वसूल करवाने के बदले 30 प्रतिशत कमीशन की मांग की। इसके बाद मामला 15 फीसदी में तय हो गया। जगजीवन सखिया ने बताया कि आठ करोड़ की रकम वसूल करने के लिए उनसे 75 लाख रुपये पुलिस आयुक्त ने लिए। इसके बाद भी वह 30 लाख रुपये के लिए दबाव बना रहे थे।

गढ़वी के बदले हुई डील

जगजीवन ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने विरल गढ़वी को बुलाया था। उसने ही कहा था कि पुलिस आयुक्त ने कहा है कि रकम वसूल करवाने लिए वह 30 प्रतिशत हिस्सा लेंगे। जगजीवन ने बताया कि, उन्होंने गढ़वी के माध्यम से ही दो किश्तों में 75 लाख का भुगतान किया था।

पानी के जहाज बनाने वाली कंपनी ने दो दर्जन से ज्यादा बैंकों को कैसे लगाया गया 22842 करोड़ का चूना?

एबीजी शिपयार्ड घोटाले ने एक बार फिर से देश की सरकार और बैंकों को चौंका दिया है। करीब 23 हजार करोड़ का यह घोटाला देश का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला माना जा रहा है। पानी के जहाज बनाने वाली कंपनी एबीजी शिपयार्ड ने 28 बैंकों को चूना लगाकर, उसने 22,842 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। यह घोटाला विजय माल्या के 9 हजार करोड़ और नीरव मोदी 14 हजार करोड़ से भी काफी ज्यादा है।

1. कंपनी का क्या है कारोबार?

एबीजी शिपयार्ड लिमिटेड की शुरुआत साल 1985 में हुई थी। गुजरात के दाहेज और सूरत में एबीजी समूह की यह शिपयार्ड कंपनी पानी के जहाज बनाने और उनकी मरम्मत का काम करती है। अब तक यह कंपनी 165 जहाज बना चुकी है। इस कंपनी ने 1991 तक तगड़ा मुनाफा कमाते हुए देश-विदेश से बड़े ऑर्डर हासिल किए।

2. कैसे लिखी गई घोटाले की पटकथा

रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 में कंपनी को 55 करोड़ डॉलर से ज्यादा का भारी नुकसान हुआ और इसके बाद एबीजी शिपयार्ड की हालत पतली होती गई। अपनी वित्तीय हालत का हवाला देते हुए कंपनी ने बैंकों से कर्ज लिया और इस सबसे बड़े घोटाले को अंजाम दिया।

3. किन बैंकों से लिया कितना कर्ज?

स्टेट बैंक की शिकायत के मुताबिक, कंपनी ने बैंक से 2,925 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक से 7,089 करोड़ , आईडीबीआई बैंक से 3,634 करोड़, बैंक ऑफ बड़ौदा से 1,614 करोड़, पंजाब नेशनल बैंक से 1,244 करोड़ , इंडियन ओवरसीज

बैंक से 1,228 करोड़ का कर्ज लिया। इस तरह से कंपनी ने कुल 28 बैंकों से कर्ज लिया।

4. सही मदों में नहीं हुआ पैसों का इस्तेमाल

एसबीआई ने अपनी शिकायत में बताया कि, इन पैसों का इस्तेमाल उन मदों में नहीं हुआ जिनके लिए बैंक ने इन्हें जारी किया था बल्कि दूसरे मदों में इसे लगाया गया।

5. 8 नवंबर 2019 को एसबीआई ने की पहली शिकायत

एसबीआई ने इस मामले में पहली शिकायत 8 नवंबर 2019 को की थी। डेढ़ साल से अधिक समय तक जांच-पड़ताल करने के बाद, सीबीआई ने 7 फरवरी, 2022 को मामले में प्राथमिकी दर्ज की। एसबीआई ने यह भी बताया कि आखिर क्यों बैंकों के संघ की तरफ से उसने की मामले में केस दर्ज करवाया। दरअसल, आईसीआईसीआई और आईडीबीआई बैंक कंसोर्शियम में पहले और दूसरे अग्रणी ऋणदाता थे। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एसबीआई सबसे बड़ा ऋणदाता था। इसलिए यह तय हुआ कि सीबीआई के पास शिकायत दर्ज एसबीआई कराएगा।

6. 2013 में एनपीए हो गया था लोन

एसबीआई ने बताया है कि उसे 2013 में ही पता चल गया था कि कंपनी का लोन एनपीए हो गया है। इसके बाद एसबीआई की ओर से लोन रिकवरी के लिए कई कोशिश की गईं, लेकिन सफलता नहीं मिली।

7. सीबीआई ने की थी छापेमारी

सात फरवरी को मामले में पहली प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने 12 फरवरी को 13 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद देश का सबसे बड़ा घोटाला सामने आया।

8. सीबीआई ने जारी किया लुक आउट नोटिस

सीबीआई ने एबीजी शिपयार्ड कंपनी के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल और आठ अन्य लोगों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। केंद्रीय एजेंसी ने ऋषि कमलेश अग्रवाल के अलावा एबीजी शिपयार्ड के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों- अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया और एक अन्य कंपनी एबीजी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी कथित रूप से आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आधिकारिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के लिए मामला दर्ज किया।

9. यूपीए काल का है घोटाला

स्टेट बैंक के अनुसार, यह घोटाला यूपीए सरकार के समय का है। दरअसल, जब 2013 में एबीजी शिपयार्ड के लोन को एनपीए घोषित किया गया था, तब यूपीए सरकार थी। साल 2005 से साल 2012 के बीच यह घोटाला हुआ। साल 2017 में एनसीएलएटी (NCLAT) में मामला गया था।

10. पैसों का यहां हुआ इस्तेमाल

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियों पर आरोप है कि बैंक फ्रॉड के जरिए प्राप्त किए गए पैसे को विदेश में भेजकर अरबों रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी गई। 18 जनवरी 2019 को अर्नस्ट एंड यंग एलपी द्वारा दाखिल अप्रैल 2012 से जुलाई 2017 तक की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट की जांच में सामने आया है कि कंपनी ने गैरकानूनी गतिविधियों के जरिए बैंक से कर्ज में हेरफेर किया और रकम ठिकाने लगा दी।

टी-20 में टीम इंडिया की लगातार 7वीं जीत:पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया, वेंकटेश अय्यर ने लगाया विनिंग सिक्स

मैच ब्रीफ

भारत Vs वेस्टइंडीज पहला टी-20

वेस्टइंडीज	भारत
स्कोर 157/7	स्कोर 162/4 (18.5)
बैटर	**बैटर**
निकोलस पूरन : 61 (43)	रोहित शर्मा : 40 (19)
काइल मेयर्स : 31 (24)	सूर्यकुमार यादव : 34* (18)
बॉलर	**बॉलर**
रवि बिश्नोई : 2/17	रोस्टन चेस : 2/14
हर्षल पटेल : 2/37	फैबियन एलन : 1/23

टीम इंडिया 6 विकेट से जीती

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को पहले टी-20 मैच में 6 विकेट से हरा दिया है। मैच में भारत के सामने 158 रन का टारगेट था, जिसे टीम ने 18.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जीत में रोहित शर्मा (40) टॉप स्कोरर रहे, जबकि सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 34 रन की पारी खेली। भारतीय टीम की इस फॉर्मेट में ये लगातार 7वीं जीत है।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले खेलते हुए 157/7 का स्कोर बनाया था। निकोलस पूरन ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। भारत की ओर से रवि बिश्नोई और हर्षल पटेल ने दो-दो विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल और दीपक चाहर के खाते में 1-1 विकेट आया।

अय्यर ने छक्का लगाकर जिताया

एक समय भारत ने 114 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद सूर्यकुमार यादव और वेंकटेश अय्यर ने 5वें विकेट के लिए 28 गेंदों पर नाबाद 48 रन जोड़े। वेंकटेश अय्यर ने डीप मिडविकेट के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर टीम इंडिया को बढ़िया जीत दिलाई। 18 गेंदों पर नाबाद 35 और वेंकटेश ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 रन बनाए।

अच्छी शुरुआत के बाद लड़खड़ा गई थी भारतीय पारी

टारगेट का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और ईशान किशन ने टीम इंडिया को जोरदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 गेंदों पर 64 रन जोड़े। इस पार्टनरशिप को रोस्टन चेस ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (40) को आउट कर तोड़ा। हिटमैन का कैच बाउंड्री लाइन पर ओडीयन स्मिथ ने पकड़ा। इसके बाद WI ने दो रन के भीतर भारत को दो बड़े झटके पहुंचाए।

पहले चेस ने ईशान किशन (35) का विकेट लिया और तीन गेंद बाद ही विराट कोहली (17) फैबियन एलन को अपना विकेट दे बैठे। ये दोनों विकेट भारत ने 93 और 94 के स्कोर पर गंवाए। ऋषभ पंत (8) भी पारी को संभालने में नाकाम रहे। पंत का विकेट शेल्डन कॉटरेल ने लिया।

कोहली और हिटमैन के बीच दिलचस्प मुकाबला

पहले मुकाबले में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच बड़ा ही दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। दरअसल, दोनों खिलाड़ी टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे और तीसरे पायदान पर आते हैं। मैच में रोहित ने आतिशी पारी खेलते हुए केवल 19 गेंदों पर 40 रन बनाए। पारी का 30वां रन बनाने के साथ ही रोहित (3237) टी-20I में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे और भारत के पहले खिलाड़ी बन गए।

भारतीय कप्तान के आउट होने के बाद विराट क्रीज पर आए और 11 रन बनाने के साथ ही उन्होंने रोहित को एक बार फिर से पीछे छोड़ दिया। हालांकि कोहली (3244) की पारी 17 रन के आगे नहीं जा सकी। पहले नंबर पर मार्टिन गुप्टिल (3299) का नाम आता है। रोहित शर्मा और विराट कोहलीबड़ी पारी नहीं खेल सके

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी

वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ब्रैंडन किंग को भुवनेश्वर कुमार ने पहले ही ओवर में सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच करा दिया। युजवेंद्र चहल ने सातवें ओवर की पांचवीं गेंद पर काइल मेयर्स (31) को LBW आउट किया। करियर का पहला इंटरनेशनल मैच खेल रहे रवि बिश्नोई ने 11वें ओवर में रोस्टन चेज को LBW आउट कर भारत को तीसरा कामयाबी दिलाई। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने रोवमन पावेल को भी पवेलियन चलता कर दिया।

दीपक चाहर ने 14वें ओवर में अकील हुसैन का विकेट लिया। निकोलस पूरन 43 गेंदों पर 4 चौके और 5 छक्के की मदद से 61 रन बनाने के बाद हर्षल पटेल का शिकार बने। पूरन ने अपने टी-20 करियर की छठी और भारत के खिलाफ दूसरी फिफ्टी जमाई है। ओडीयन स्मिथ पारी की आखिरी गेंद पर हर्षल पटेल को विकेट दे बैठे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनका बेहतरीन कैच लपका।

KKR के कैप्टन बने श्रेयस अय्यर-2020 में बीच टूर्नामेंट बदलना पड़ा था कप्तान, अब कोलकाता बोली-योद्धाओं को नया लीडर मिल गया

कोलकाता नाइट राइडर्स ने श्रेयस अय्यर को टीम का नया कप्तान बनाया है। अय्यर इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल चुके हैं। अय्यर को KKR ने आईपीएल मेगा ऑक्शन में 12.25 करोड़ में खरीदा था। कोलकाता श्रेयस अय्यर की दूसरी आईपीएल टीम है। 2008 में सौरव गांगुली केकेआर के पहले कप्तान बने थे।

KKR ने ट्वीट कर दी जानकारी

कोलकाता टीम फ्रेंचाइजी ने ट्वीट कर अय्यर के कैप्टन बनने की जानकारी फैंस तक पहुंचाई। मेगा ऑक्शन में अय्यर का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए था और उनको टीम ने 12.25 करोड़ में खरीदा। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स में खेलते हुए उनकी सैलरी 7 करोड़ रुपए थी।

2020 में बीच टूर्नामेंट में बदला था कप्तान

2020 के IPL सीजन में दिनेश कार्तिक कोलकाता के कप्तान थे, लेकिन टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्होंने बीच टूर्नामेंट से ही कप्तानी छोड़कर ओएन मॉर्गन को टीम का नया कैप्टन बनाया था। इस बार कोलकाता ने कार्तिक और मॉर्गन दोनों को रिटेन नहीं किया है।

अय्यर के पास कप्तानी का अनुभव

श्रेयस अय्यर इससे पहले 3 सीजन में दिल्ली के कप्तानी कर चुके हैं। 2019 में उनकी कप्तानी में दिल्ली ने छह साल के लंबे इंतजार के बाद प्लेऑफ में जगह बनाई थी। 2020 में टीम ने पहली बार IPL का फाइनल मुकाबला खेला था, हालांकी फाइनल में टीम को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 5 विकेट से मिली हार का सामना करना पड़ा था। बतौर कप्तान अय्यर ने 41 मैच खेले 21 में जीत दर्ज की, जबकि 18 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। दो मैच टाई रहे। 2021 में अय्यर को चोटिन होने के कारण कप्तानी के पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह दिल्ली ने ऋषभ पंत को कैप्टन बनाया था। कोलकाता नाइट राइडर्स IPL की सबसे ग्लैमरस टीमों में से एक है। टीम अभी तक दो बार 2012 और 2014 में IPL की ट्रॉफी जीत चुकी है।

ब्रिटिश प्रिंस को सजा नहीं होने देंगी मां-उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली पूर्व मॉडल से कोर्ट के बाहर सेटलमेंट, 1.22 अरब रुपए देंगी क्वीन

6 महीने पहले प्रिंस एंड्रयू पर लगा था आरोप

ब्रिटेन के शाही परिवार ने प्रिंस एंड्रयू पर लगे सेक्शुअल एब्यूज (यौन उत्पीड़न) के आरोप में अपमान से बचने के लिए पीड़िता से आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट कर लिया है। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटिश क्वीन एलिजाबेथ-द्वितीय अपने बेटे प्रिंस एंड्रयू को सजा से बचाने के लिए आरोप लगाने वालीं पूर्व मॉडल वर्जिनिया गिफ्रे को 1.22 अरब रुपए की मोटी रकम देंगी। इस समझौते के लिए कोर्ट ने पहले ही सहमति दे दे थी। 62 साल के प्रिंस एंड्रयू ब्रिटिश ताज की कतार में 9वें नंबर के दावेदार हैं। वह क्वीन एलिजाबेथ के तीन बेटों में से दूसरे नंबर पर हैं। उनसे बड़े प्रिंस चार्ल्स और उनसे छोटे प्रिंस एडवर्ड हैं।

आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट का मतलब प्रिंस ने नहीं माना अपराध

अमेरिकी नागरिक गिफ्रे से जुड़े मामले में अदालत के बाहर समझौता करने का मतलब है कि आरोपी प्रिंस एंड्रयू ने उनके दावों पर अपना अपराध स्वीकार नहीं किया है। गिफ्रे ने प्रिंस पर आरोप लगाया था कि जब वो 17 साल की थीं, तब जेफ्रे एप्सटीन (इस मामले के मुख्य आरोपी) उन्हें एंड्रयू के पास ले गए थे और प्रिंस ने उनका यौन उत्पीड़न किया। वहीं, प्रिंस एंड्रयू लगातार इन आरोपों को झूठ बता रहे थे। गिफ्रे ने दावा किया था कि उनके पास प्रिंस के झूठ उजागर करने वाले कई फोटोज मौजूद हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, 61 साल के ब्रिटिश प्रिंस जो अमाउंट वर्जिनिया गिफ्रे को देंगे, उसे कोर्ट ने सीक्रेट रखने को कहा है। कोर्ट के सामने दोनों पक्षों ने इस बारे में हलफनामे भी दिए हैं। इसके अलावा गिफ्रे को चैरिटी के लिए भी कुछ अमाउंट देने का फैसला किया गया है। अगर यह सेटलमेंट होता है तो जाहिर तौर पर यह शाही परिवार के लिए बड़ी राहत होगी। अगर यह सेटलमेंट नहीं होता तो कुछ ही हफ्तों में प्रिंस को कोर्ट में शपथ लेकर गिफ्रे के वकीलों के सवालों का जवाब देना होगा।

यूक्रेन के हाल-खतरे के बीच भी बेफिक्र घूम रहे लोग-मन में डर जरूर है, फिर भी नॉर्मल है लाइफ

रूस और यूक्रेन के बीच जंग का खतरा टला नहीं है, तनाव अब भी जारी है। दूसरी तरफ, यूक्रेन के इस शहर में लोग चैन से जीवन जी रहे हैं। यहां चेहरों पर मुस्कान है। ऐसा लगता है कि बाहरी दुनिया में क्या चल रहा है उसकी इन्हें कोई परवाह ही नहीं है।

पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कयास लगा रही है पर पूर्वी यूक्रेन के मारियुपोल शहर में बच्चे पार्क में खेलते हुए और बर्फ पर स्कीइंग करते नजर आ रहे हैं। खबरों के मुताबिक, रूस ने यूक्रेन की सीमा से कुछ सैनिकों को वापस बुला लिया है, लेकिन यूक्रेन समेत अमेरिका को इस पर शक है। रूस के इन दावों पर यकीन नहीं किया जा रहा है। ब्रिटेन और अमेरिका अब भी यह कह रहे हैं कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है।

मारियुपोल शहर में बर्फ पर स्कींग कर रहे बच्चों के चेहरे पर खुशी है।

मारियुपोल शहर में बर्फ पर स्कींग कर रहे बच्चों के चेहरे पर खुशी है। इतना ही नहीं हाल ही में यूक्रेन पर साइबर अटैक हुआ, लेकिन इसका असर भी मारियुपोल शहर के लोगों पर नहीं दिखा। लोग रेस्टोरेंट्स में खाना खा रहे हैं। शॉपिंग मॉल में घूम रहे हैं, मस्ती कर रहे हैं। कोस्ट गार्ड के इहोर चेरतोव, जो युद्धपोतों की तलाश में आजोव सागर में गश्त करते हैं, का कहना है, ऐसा लग रहा है कि हमसे ज्यादा पश्चिमी देशों को हमारी चिंता है।

रेस्त्रां और शॉपिंग मॉल में बिना किसी डर के घूम रहे यूक्रेन के लोग।

रेस्त्रां और शॉपिंग मॉल में बिना किसी डर के घूम रहे यूक्रेन के लोग।

हालांकि यूक्रेन के लोग जानते हैं कि अगर हमला होता है तो उनके हालात किस हद तक बिगड़ सकते हैं, क्योंकि इसके पहले जब साल 2014 में जब रूस ने क्रीमिया पर कब्जा किया था, तब कई हजार लोगों की जानें गई थी। जिसके बाद कुछ लोग राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साए में रहने के आदी हो गए हैं।

लोगों के मन में डर जरूर है लेकिन

वे नॉर्मल लाइफ जीने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। बाहरी स्थिति को लेकर वे सहमे हुए भी हैं। संभावित रूसी हमले के खतरे को देखते हुए यूक्रेन के आम लोगों ने भी कमर कस ली है। आम लोग अपनी मर्जी से सेना के साथ मिलकर नकली बंदूकों के जरिए किसी भी खतरे का सामना करने के लिए सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। लोगों का कहना है रूस और यूक्रेन के बीच यह चूहे-बिल्ली का खेल है जो अभी शुरू हुआ है।

यूक्रेन में नकली बंदूक लिए जंग का सामना करने सैन्य अभ्यास कर रहे लोग।

यूक्रेन में नकली बंदूक लिए जंग का सामना करने सैन्य अभ्यास कर रहे लोग।

35 साल की मैरीना हेटमानोवा ने बताया कि वह अपने साथ एक सूटकेस रखती है, जिसमें फर्सट एड है। साथ ही वह अपनी कार के पेट्रोल टैंक को पूरा भर कर रखती है,

जिससे वह कठिन परिस्थितियों आने पर बचने के लिए तैयार रहे। उसने कहा, मैं रूस में नहीं रहना चाहती। मैं पश्चिमी यूक्रेन या पोलैंड या फिर जर्मनी चली जाऊंगी। हाल की स्थिति के बारे में मुझे कुछ नहीं पता। हमला कभी भी हो सकता है, उसके बाद क्या होगा मैं नहीं जानती, मैं बस मरना नहीं चाहती।

सैन्य अभ्यास के अलावा लोगों को युद्ध की स्थिति के लिए तैयार करने और खतरों से बचाने के लिए जागरूकता फैलाई जा रही है। कुछ लोगों ने तो मदद पहुंचाने के लिए हेल्पलाइन तक शुरू की है। कई लोगों को तो यह भी लगता है बमबारी नहीं होगी, यदि होती भी है तो इससे उन्हें कोई खतरा नहीं होगा।

मारियुपोल, आजोव सागर के उत्तरी तट पर स्थित दक्षिण पूर्वी यूक्रेन का शहर है।

यहां हमला होने की संभावना सबसे कम है। मारियुपोल के निर्यात में कोयला, स्टील, मशीनरी और अनाज शामिल हैं। शहर के एक शेल्टर के प्रबंधक ने कहा कि लोगों को लगता है कि उन्हें शेल्टर की जरूरत नहीं है। कई शेल्टरों को तो स्पा और रेस्तरां में बदल दिया गया है।

मारियुपोल से कोयला, स्टील, मशीनरी एक्सपोर्ट की जाती है।

मारियुपोल से कोयला, स्टील, मशीनरी एक्सपोर्ट की जाती है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, मारियुपोल के लोगों ने बताया कि हाल ही में रूसी जेट को वर्षों में पहली बार गश्त करते देखा गया। क्योंकि 2014 में अलगाववादियों के कब्जे वाले इस क्षेत्र में मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान MH17 पर हमला हुआ था। तब से कुछ ही विमान पूर्वी यूक्रेन के ऊपर से उड़ान भरते हुए दिखाई देते हैं।

एक ऐसे देश जिसका पड़ोसी रूस हो, जो युद्ध के साए में हो, जिसने कई तरह की मुश्किलों का सामना किया हो, के लिए विपरीत परिस्थितियों का सामना करना सामान्य हो सकता है।

फरहान और शिबानी की शादी की रस्में शुरू, खंडाला में होगी डेस्टिनेशन वेडिंग

बॉलीवुड गलियारों में फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की शादी की चर्चा जोरों पर हैं। दोनों 19 फरवरी को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। मेहमानों को पेस्टल और सफेद रंग के कपड़े पहनकर आने को कहा गया है। ऐसे में चर्चा तेज है कि शिबानी और फरहान निकाह पढ़ेंगे या मराठी रीति-रिवाज से शादी करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरहान-शिबानी 21 फरवरी को मुंबई में कोर्ट मैरिज भी करने वाले हैं। प्री-वेडिंग फेस्टिविटीज के लिए फरहान के घर को फूलों और लाइटों से सजाया गया। दोनों कपल शादी सिंपल ढंग से करना चाहते हैं। फरहान और शिबानी ने VOW सेरेमनी रखा है। जिसमें दोनों एक-दूसरे के साथ वचन लेकर शादी के बंधन में बंध जाएंगे। बता दें कि फरहान और शिबानी की शादी के प्री वेडिंग फंक्शन में कई सितारों ने शिरकत की थी। अब सबकी निगाहें इस ओर हैं कि दोनों की शादी में कौन-कौन से सेलिब्रेटी पहुंचते हैं। आज दोनों की मेहंदी सेरेमनी है। एक्टर फरहान एक्टर और शिबानी दांडेकर शादी के लिए खंडाला और उसके आसपास के बंगले बुक किए गए हैं। जहां मेहमानों को रखा जाएगा। शिबानी और फरहान अपने खंडाला वाले फार्महाउस में शादी करने जा रहे हैं। उनका फार्महाउस फूलों और लाइट्स से सजाया गया है। फरहान और शिबानो दोनों ही खंडाला पहुंच चुके हैं। खबर है कि शादी प्राइवेट सेरेमनी में हो रही है। महज 50 मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। फरहान और शिबानी की गेस्ट लिस्ट में रिया चक्रवर्ती, मियांग चैंग, गौरव कपूर और समीर कोचर और रितश सिधवानी के नाम शामिल हैं। यही भी कहा जा रहा है कि उनकी शादी में शाहरुख खान और ऋतिक रोशन को भी बुलाया गया है।

राम शंकर प्रस्तुत शादाब खान स्टारर म्यूज़िक अल्बम " रब्बा मेरे " राजू श्रीवास्तव ने लांच किया

राजू श्रीवास्तव, दिलीप सेन, समीर सेन, अरुण बक्षी द्वारा शादाब खान और एमी आएला स्टारर व राम शंकर प्रस्तुत म्यूज़िक वीडियो "रब्बा मेरे" हुआ लांच हुवा

जी म्यूज़िक, लाइमलाइट प्रोडक्शन निर्माता नाज़म खान और राम शंकर प्रस्तुत म्यूज़िक अल्बम "रब्बा मेरे" अंधेरी मुम्बई के बैरल लाउंज में लांच किया गया। यहां राजू श्रीवास्तव, दिलीप सेन समीर सेन, अरुण बख्शी, ज़ैद दरबार इत्यादि कई हस्तियां गेस्ट के रूप में मौजूद रहीं। मशहूर एंकर सिमरन आहूजा ने इस कार्यक्रम को होस्ट किया। यह वेलेन्टाइन डे स्पेशल सांग शाहिद माल्या, सोमालिता, एफि डिकोस्टा ने गाया है। संगीतकार मानव पोद्दार और किरण कामत, गीतकार विमल कश्यप हैं। इसके डायरेक्टर पन्ना मज़ूमदार हैं। यहां स्नेहा शंकर और आदित्य शंकर भी मौजूद थीं जो लाइमलाइट प्रोडक्शन का नेक्स्ट अल्बम कर रहे हैं। चीफ गेस्ट राजू श्रीवास्तव ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि रब्बा मेरे बहुत ही प्यार भरा गाना है। मैंने इसका वीडियो देखा जो मुझे काफी अच्छा लगा। गाने की लोकेशन हो या शादाब खान की परफॉर्मेंस हो या शाहिद माल्या की आवाज़ हो सबकुछ बेमिसाल है। मैं शादाब खान का इंडस्ट्री में स्वागत करता हूं। दिलीप सेन समीर सेन ने भी इस गाने की तारीफ की और राम शंकर द्वारा प्रेजेंट किए गए रब्बा मेरे गाने को लाजवाब बताया और कहा कि यह २०२२ का सबसे लोकप्रिय अल्बम सांग साबित होगा। राम शंकर ने बताया कि जब मैंने यह गाना सुना तो बेहद प्रभावित हुआ और मैंने शादाब से कहा कि यह गीत बहुत ही अच्छा बन गया है, इसे सही से प्रोमोट करने और रिलीज करने की जरूरत है और इस तरह मैं लाइमलाइट प्रोडक्शन से जुड़ गया। यह प्रोडक्शन हाउस आगे भी कई म्यूज़िक वीडियो लेकर आने वाला है जिसकी तैयारियां हो रही हैं। इस गाने के सिंगर शाहिद माल्या ने कहा कि मेरे करियर की शुरूआत ही शाहिद कपूर की फिल्म "मौसम" के सुपर हिट गाने "रब्बा मैं तो मर गया" से हुई थी। अब इस गाने का नाम भी रब्बा मेरे है जो बहुत ही शानदार है। मुम्बई में हुए एक शानदार इवेंट में जब यह गाणा लांच किया गया तो यहां बॉलीवुड की कई हस्तियां स्पेशल गेस्ट के रूप में मौजूद थीं। काफी बड़े पैमाने पर शूट करके इस हाई क्वालिटी के गाने को तैयार किया गया है। गाने में शाहिद माल्या की सुरीली आवाज कमाल कर रही है। इस म्यूज़िक वीडियो को बहुत ही भव्य ढंग से बेहतरीन लोकेशन पे फ़िल्माया गया है। इसका संगीत दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर रहा है। यहां आए सभी मेहमानों ने शादाब खान को शुभकामनाएं दीं और गाने के सुपर हिट होने की कामना की। इस म्यूज़िक वीडियो का पीआर का काम रमाकांत मुंडे द्वारा किया है।

नए अंदाज में संगीत रचते हैं-संगीतकार गुफी

म्यूजिक कंपोजर गुफी हमेशा अपने नए अंदाज़ से जाने जाते हैं। म्यूजिक की दुनिया में इनका स्टाइल औरों से हट के है।

उत्तर प्रदेश हाथरस के रहने वाले गुफी बॉलीवुड संगीत उद्योग में एक जाना-माना नाम होने के साथ-साथ एक महान संगीत व्यक्तित्व भी है, जिन्हें भारतीय फिल्म उद्योग में किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने मेलोडी और सादगी के बेहतरीन मिश्रण के साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री में ट्रेंडिंग म्यूजिक की पूरी तरह से नई शैली पेश की है।

संगीत की अपनी अनूठी और परिपक्व शैली के साथ गुफ़ी ने "तिशनगी", "लव शव प्यार व्यार", "रोमियो एन बुलेट", "द लास्ट टेल ऑफ़ कायनात", "जुनून", "वन्स अपॉन ए" जैसी फिल्मों के लिए बैक टू बैक सुपर-हिट गाने दिए हैं। उनके नशीले संगीत के कारण निस्संदेह गुफी बॉलीवुड संगीत उद्योग में एक ब्रांड है। फ़िल्म "लव शव प्यार व्यार" के जरिये बॉलीवुड में संगीतकार के रूप में उनका पहला डेब्यू था। एक संगीत निर्देशक के रूप में उन्होंने राहत फतेह अली खान,सुनिधि चौहान, देव नेगी, जैसे जाने-माने गायकों के लिए संगीत तैयार किया है। पलक मुच्छल, बेनी दयाल, पवनदीन राजन, मोहम्मद इरफान, जावेद अली, कुणाल गांजावाला, कृष्ण बेउरा,अंतर मित्र, ,अमित मिश्रा, शाहिद माल्या, लाभ जंजुआ, मोहम्मद अजीज और भी बहुत कुछ.. उनका नवीनतम एकल एल्बम मेरी "आशिकी", "सांसों की तरह" "हीर" और "दिल इबादत" संगीत प्रेमियों से अच्छी समीक्षा पा चुके हैं। उनके कुछ प्रसिद्ध गीत लव शव प्यार व्यार, सूफी सलाम, नागदवाले और इश्क दा हुक्का तिस्नागी अब तक 100 मिलियन व्यू पा चुके हैं। गुफी न केवल अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा के साथ मेलोडी के ताजा टुकड़े की रचना करते हैं बल्कि उन्हें जीवन देकर अपने आंतरिक सार को भी सजाते हैं। उनके गीत श्रोताओं को ऐसे जोड़ते हैं जैसे कि यह मेलोडी में व्यक्त उनके अपने शब्द हैं क्योंकि गुफी का मानना है कि हर रचना का सर्वोच्च शक्ति "भगवान" से सीधा संपर्क होता है। गुफ़ी ने फ़िल्मों और एल्बमों के लिए कुछ सबसे बड़े ब्लॉक बस्टर बॉलीवुड हिट गाने देकर अपनी प्रतिभा साबित की है।

4 मार्च 2022 को फिल्म 'हरपल पागलपन' रिलीज़ हो रही है इसमें गुफी का सोलो म्यूजिक तीन सांग्स है, पहला सैड रोमांटिक सांग है, दूसरा रोमांटिक दुईट है, और तीसरा टाइटल पेप्पी सांग है.

करोड़ से नीचे आया राजकुमार और भूमि की फिल्म का कलेक्शन, फ्लॉप का ठप्पा लगने में बचा सिर्फ एक हफ्ता

फिल्म 'स्त्री' के बाद से बॉक्स ऑफिस पर एक सुपरहिट फिल्म की तलाश कर रहे अभिनेता राजकुमार राव की बड़े परदे से ये आस पूरी होती नहीं दिख रही। बीते हफ्ते रिलीज हुई उनकी फिल्म 'बधाई दो' का पहले हफ्ते का कलेक्शन 12.60 करोड़ रुपये पर आकर अटक गया है। फिल्म ने वैलेंटाइंस डे पर थोड़ा जोर मारा था लेकिन फिल्म का विषय आयुष्मान खुराना की उस बात को सही साबित कर रहा है कि फिल्में सिनेमाघरों में अब वही चलेंगी जिन्हें देखने पूरी फैमिली आएगी। फिल्म 'बधाई दो' समलैंगिकता के प्रति सामाजिक नजरिये को बदलने के लिए चल रहे अंतर्राष्ट्रीय सिनेमाई प्रयासों की नई कड़ी है और देश के अधिकतर छोटे शहरों में फिल्मी दर्शकों ने इसे पूरी तरह नकार दिया है। फिल्म 'बधाई दो' राजकुमार राव की पहले हफ्ते में 10 करोड़ रुपये से अधिक कमाने वाली फिल्मों में शामिल रहीं 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' और 'न्यूटन' के करीब पहुंच गई है। फिल्म की लागत के हिसाब से ये फिल्म राजकुमार राव की एक और फ्लॉप फिल्म का तमगा पाने की तरफ आगे बढ़ रही है। दूसरे हफ्ते में कोई चमत्कार ही इसकी दशा सुधार सकता है।

अगर ये फिल्म फ्लॉप फिल्मों की लिस्ट में पहुंची तो कोरोना संक्रमण काल के पहले राजकुमार राव की बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप हो चुकी छह फिल्मों में एक और फिल्म जुड़ जाएगी। समलैंगिक युवक और समलैंगिक युवती की दिखावटी शादी पर बनी फिल्म 'बधाई दो' की कहानी अब सबको पता है। ऐसे ही एक वर्जित समझे जाने वाले विषय पर बनी आयुष्मान खुराना की फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' भी बॉक्सऑफिस पर फ्लॉप हो चुकी है।

बिग बी के एक्स सिक्योरिटी गार्ड पर गिरी गाज

अमिताभ बच्चन की सुरक्षा के लिए सालाना 1.5 करोड़ रुपए लेने वाला हेड कांस्टेबल सस्पेंड, सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप लगे

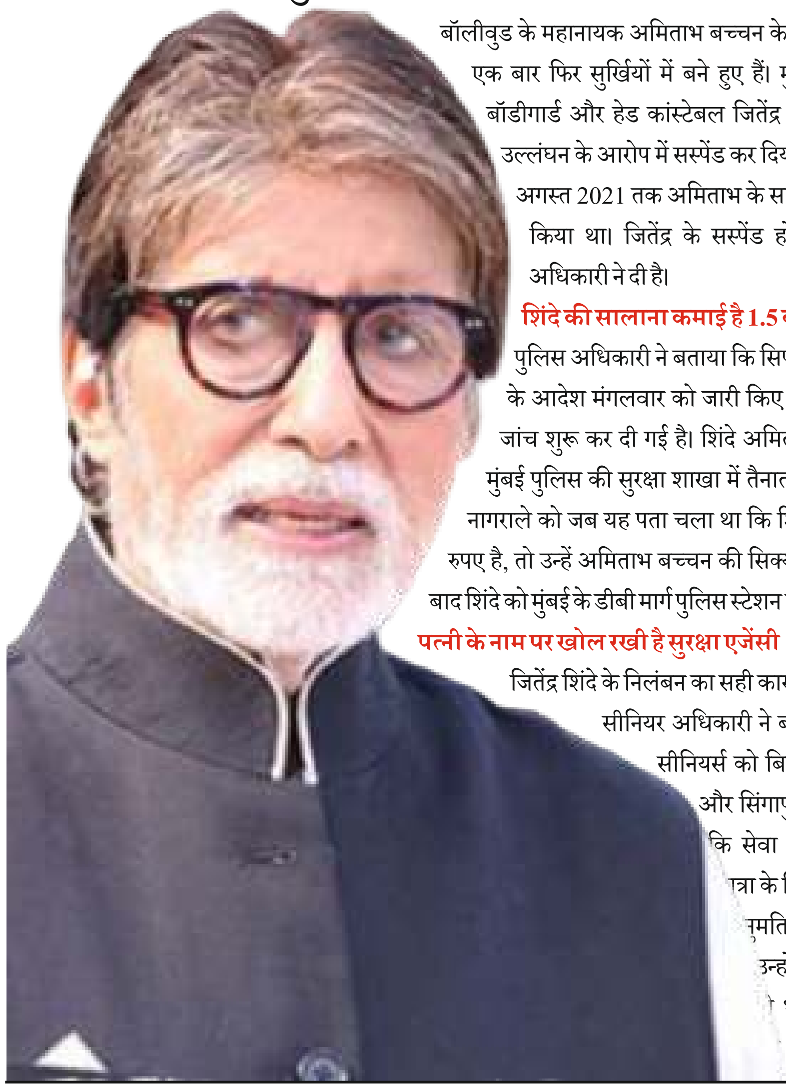

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन के एक्स सिक्योरिटी गार्ड जितेंद्र शिंदे एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए हैं। मुंबई पुलिस ने अमिताभ के एक्स बॉडीगार्ड और हेड कांस्टेबल जितेंद्र नारायण शिंदे को सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोप में सस्पेंड कर दिया है। जितेंद्र ने साल 2015 से लेकर अगस्त 2021 तक अमिताभ के साथ उनके बॉडीगार्ड के तौर पर काम किया था। जितेंद्र के सस्पेंड होने की जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने दी है।

शिंदे की सालाना कमाई है 1.5 करोड़ रुपए

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिपाही जितेंद्र शिंदे को निलंबित करने के आदेश मंगलवार को जारी किए गए और उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। शिंदे अमिताभ की सिक्योरिटी करने से पहले मुंबई पुलिस की सुरक्षा शाखा में तैनात थे। मुंबई के पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले को जब यह पता चला था कि शिंदे की सालाना कमाई 1.5 करोड़ रुपए है, तो उन्हें अमिताभ बच्चन की सिक्योरिटी से हटा दिया गया था। इसके बाद शिंदे को मुंबई के डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन में तैनात कर दिया गया था।

पत्नी के नाम पर खोल रखी है सुरक्षा एजेंसी

जितेंद्र शिंदे के निलंबन का सही कारण पूछे जाने पर मुंबई पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल शिंदे ने अपने सीनियर्स को बिना बताए कम से कम 4 बार दुबई और सिंगापुर की यात्रा की थी। उन्होंने बताया कि सेवा नियमों के मुताबिक, उन्हें विदेश त्रा के लिए अपने सीनियर अधिकारियों से मति लेना चाहिए था। जितेंद्र ने बताया उन्होंने अपनी पत्नी के नाम पर सुरक्षा भी खोल रखी है, जो कि बच्चन को सुरक्षा मुहैया करा रही थी। लेकिन, फीस का लेनदेन उन्होंने पत्नी के नहीं, बल्कि अपने खुद के बैंक अकाउंट में किया था।

जितेंद्र ने कुछ संपत्तियां भी खरीदी थीं

सीनियर अधिकारी ने आगे बताया कि जितेंद्र ने कुछ संपत्तियां भी खरीदी थीं, जिसका खुलासा उन्होंने नहीं किया है। अधिकारी ने बताया कि शिंदे को निलंबित करने के बाद मुंबई पुलिस कमिश्नर ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण) दिलीप सावंत की अध्यक्षता में एक जांच समिति का गठन किया है। बता दें कि अमिताभ बच्चन को 'X' कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है, जिसके तहत 4 पुलिस कांस्टेबल उन्हें 2 शिफ्ट में सुरक्षा मुहैया कराते हैं। यानी हर शिफ्ट में 2 कांस्टेबल बिग बी की सुरक्षा में हमेशा तैनात रहते हैं।

रोडीज-18:नेहा धूपिया नहीं होंगी अगले सीजन के रोडीज का हिस्सा, बोलीं- इसकी वजह नेटवर्क को अच्छी तरह से पता है

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि वो 'MTV रोडीज' के 18वें सीजन का हिस्सा नहीं होंगी। कुछ समय पहले ही रणविजय सिंह ने कथित तौर पर खुलासा किया था कि वो भी इस शो के अगले सीजन का हिस्सा नहीं होंगे। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि शो छोड़ने का रीजन नेटवर्क को सबसे अच्छी तरह से पता है।

नेहा नहीं बनेंगी रोडीज का हिस्सा

नेहा ने कहा, "इस साल मैं 'रोडीज' का हिस्सा नहीं बनूंगी। फैन्स के लिए मुझसे ज्यादा, रणविजय को इसका हिस्सा नहीं देखना दिल दहला देने वाला है और जाहिर तौर पर इसका रीजन उन्हें और नेटवर्क दोनों को सबसे अच्छी तरह से पता है। मुझे यह शो बहुत पसंद है और मैंने हमेशा इस शो को पसंद किया है। इस शो से प्यार करने का एक बड़ा हिस्सा रण हैं। वो हमेशा से मेरे बहुत अच्छे दोस्त रहे हैं और हमेशा रहेंगे। मेरा एक और अच्छा दोस्त है, जिसने इसमें कदम रखा है और मैं उसे शुभकामनाएं देती हूं। वो सोनू सूद हैं और वो भी मेरे काफी अच्छे दोस्त हैं।"

नेहा और रणविजय के बीच है शानदार बॉन्ड 'रोडीज' पहली बार 2003 में प्रसारित हुआ था, जिसमें रघु राम और राजीव लक्ष्मण कई सालों तक इस शो में जज रहे। रणविजय ने शो का पहला सीजन जीता था, और तब से वो इसके बाद के सभी सीजन्स का हिस्सा रहे हैं। नेहा और रणविजय के बीच शानदार बॉन्ड है।

आमिर की 'लाल सिंह चड्ढा' में कैमियो रोल में नजर नहीं आएंगे सलमान खान

आमिर खान और करीना कपूर स्टारर 'लाल सिंह चड्ढा' 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बताया जा रहा था कि इस फिल्म में तीनों 'खान' यानि सलमान खान, शाहरुख खान और आमिर एक साथ नजर आने वाले थे। लेकिन, अब खबर आ रही है कि सिल्वर स्क्रीन पर तीनों को एक साथ देखने का फैंस का सपना अभी पूरा नहीं होगा। पिछले 3 साल से यह बताया जा रहा था कि आमिर खान की इस फिल्म में सलमान खान और शाहरुख खान कैमियो रोल में नजर आएंगे। लेकिन, अब बताया जा रहा है कि सलमान 'लाल सिंह चड्ढा' का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि उनके पास शूटिंग के लिए समय नहीं है।

13 साल बाद फिर से टेलीकास्ट होने जा रहा है 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', सोशल मीडिया के जरिए एकता कपूर ने दी जानकारी

टीवी का पॉपुलर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' एक बार फिर वापसी कर रहा है। हाल ही में एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शो का प्रोमो वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, "इस प्रोमो की एक झलक देखकर ही सारी पुरानी यादें ताजा हो गईं। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे हर वो पल याद आ जाता है, जिसने इस शो को सबसे ज्यादा प्यार मिलने वाला शो बनाया। उसी प्यार के साथ जुड़िए इस सफर से दोबारा।" बता दें यह शो 16 फरवरी से टेलीकास्ट किया जाएगा।

राकेश-शमिता की रोमांटिक वीडियो पर एक्स-वाइफ रिद्धि ने किया रिएक्ट

हाल ही में राकेश बापट ने सोशल मीडिया पर शमिता शेट्टी के साथ एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वो शमिता को अपने बाहों में लिए दिख रहे हैं। वीडियो के बैकग्राउंड में 'तू मर्ज है दवा भी' सॉन्ग चल रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए राकेश ने कैप्शन में लिखा, "कभी-कभी, ऑडिनरी लाइफ के बीच, प्यार आपको फेयरी टेल जैसा लगता है। शमिता शेट्टी हैप्पी वैलेंटाइन डे।" फैन्स के साथ-साथ सेलेब्स भी वीडियो पर कमेंट कर रहे हैं। वहीं राकेश के इस पोस्ट पर उनकी एक्स-वाइफ रिद्धि डोगरा ने भी कमेंट करते हुए लिखा, "आप दोनों खुश रहें। भगवान की ब्लैसिंग आप दोनों के साथ हैं।" इसके साथ ही रिद्धि ने नजर न लगने वाली एक इमोजी बनाई है।

सिंगर अफसाना खान से हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या वो पॉलिटिक्स में एंट्री करेंगी? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, "मुझे दो बार विधायक बनने के लिए अप्रोच किया गया था। पर मैंने मना कर दिया क्योंकि मैं तो खुद अभी बच्ची हूं। मैं नासमझ हूं। मेरे ऊपर पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। ये काम बड़ा जिम्मेदारी वाला है। अभी मैं 26 साल की हूं। जिम्मेदारी उठा सकती हूं, लेकिन इसके लिए फ्री होना जरूरी है। मेरे ऊपर फैमिली की जिम्मेदारी है। मेरी फैमिली में 5-7 मेंबर हैं। इसलिए मैंने इस ऑफर को मना कर दिया। मैं इतनी काबिल नहीं कि पूरे पंजाब को चला सकूं।"

उद्योग-संस्थान-इंटरेक्शन और एक्सचेंज

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

तकनीकी संस्थान गुणवत्ता मानकों को स्थापित करके कुशल, विश्व स्तर पर सक्षम पेशेवरों का उत्पादन करने की जिम्मेदारी से प्रेरित होते हैं, जो उन्हें बाजार के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में तैयार करते हैं। उद्योग हमेशा इन स्नातकों को प्रौद्योगिकी के ज्ञान से लैस पेशेवरों के एक नए पंथ के रूप में उद्योग के लिए उपयुक्त रूप से तैयार करने की मांग कर रहा है। तकनीकी संस्थान उद्योग-संस्थान- इंटरेक्शन और एक्सचेंज के माध्यम से व्यावहारिक इनपुट, समर्थन और सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। नई शिक्षा नीति इस तरह के पारस्परिक रूप से लाभकारी आदान-प्रदान के लिए द्वार खोलती है और गेम चेंजर होने का वादा करती है।

उद्योग के साथ साझेदारी बनाने पर वर्तमान जोर संस्थान और उद्योग के बीच समझौता ज्ञापन की स्थापना को अनिवार्य करता है। कुछ संस्थानों को छोड़कर, कई संस्थान पहले अपने शैक्षणिक अलगाव में काम कर रहे थे। मुख्य कारण पाठ्यक्रम सामग्री की कठोरता और पाठ्यक्रम के तौर-तरीके थे। शिक्षण केंद्रित शिक्षाशास्त्र से शिक्षण केंद्रित तरीकों में बदलाव ने तकनीकी शिक्षा की समग्र धारणा में एक आदर्श परिवर्तन किया है।जिन संस्थानों ने इस तरह के सहयोग के लिए उद्योग से संपर्क किया है, उन्हें सक्रिय समर्थन मिला है और अब वे आजीवन साझेदारी बना रहे हैं।

आज, अधिक से अधिक शिक्षा संस्थान उद्योग-संस्थान-इंटरैक्शन और एक्सचेंज की स्थापना कर रहे हैं, जिससे तकनीकी संस्थानों के छात्रों के लिए अवसरों का पेंडोरा बॉक्स खुल रहा है, जो पेशे में अग्रणी है। कई नए उभरते संस्थान इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं और सफलता हासिल कर रहे हैं। विभिन्न पेशेवर संघों और उद्योग विशेषज्ञों के कक्षों की भूमिका परिवर्तन लाने में उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकती है। ऑफलाइन पाठ्यक्रम के साथ सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षण उपकरणों के उपयोग के साथ हाइब्रिड लर्निंग का हालिया विकास परिवर्तन को पोषित करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करता है।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा तीसरे बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड 2022 का शानदार आयोजन सम्पन्न

संगीतकार अनु मलिक, एसीपी बाजीराव महाजन, सांसद डॉ सुनील बलीराम गायकवाड़, गजेंद्र चौहान, सुनील पाल, दीपा नारायण झा, एहसान कुरैशी, अरुण बख्शी, अली खान, सिंगर रितु पाठक को मिला अवार्ड

मुम्बई। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान ने केसीएफ के अंतर्गत मुम्बई के जुहू में स्थित मेयर हॉल में 12 फरवरी को बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड 2022 का शानदार आयोजन किया। यह इस अवार्ड का तीसरा साल रहा जहाँ ऑर्केस्ट्रा में बेहतरीन पुराने गीतों ने समां बांधा।

कई एड फिल्म्स, म्यूजिक वीडियो बनाया है और अब हिंदी फ़ीचर फिल्म आत्मा डॉट कॉम भी बनाने जा रहे हैं। डॉ कृष्णा चौहान अपने फाउंडेशन कृष्णा चौहान फाउंडेशन के अंतर्गत कई अवार्ड्स शो का आयोजन करते हैं। केसीएफ के अंतर्गत बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, बॉलीवुड आइकोनिक अवॉर्ड और लीजेंड दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड का आयोजन सन 2019 से किया जा रहा है। इसके अलावा केसीएफ के द्वारा समाज सेवा, भोजन वितरण और भगवद गीता का वितरण किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान ने साल 2020 में कोरोना महामारी के बीच में कई जरूरतमंद लोगों को खाद्य वस्तुएं मुहैया कराई थी।

आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और पिछले 20 वर्षों से वे मुंबई में रह रहे हैं। अपने स्ट्रगल के दिनों में इन्होंने सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया है। इन्हें एक शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवार्ड भी मिल चुका है।

इस अवार्ड समारोह में प्रसिद्ध गायिका दिवंगत लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी गई। संगीतकार अनु मलिक ने लता जी के साथ बिताए लम्हों को याद करते हुए कहा कि एक तरह से मैंने अपनी माँ को खो दिया हूँ। बचपन से मैं उनके साथ करीब रहा हूँ।

इस कार्यक्रम में एसीपी बाजीराव महाजन, सांसद डॉ सुनील बलीराम गायकवाड़, संगीतकार अनु मलिक, दीपा नारायण झा, कॉमेडियन सुनील पाल, एहसान कुरैशी, अरुण बख्शी, अली खान, अनिल नागरथ, गीतकार सुधाकर शर्मा, के के गोस्वामी, राजकुमार कनौजिया, श्यामलाल (फिल्म दबंग में भय्या जी स्माइल फेम), गायक दिनेश रहाटे, गीतकार ज़ीनत एहसान कुरैशी, डांसर शिरीन फरीद, निर्माता मुकेश गुप्ता और ब्राईट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी को डॉ कृष्णा चौहान ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही जलेबी बाई गीत की गायिका ऋतु पाठक को भी बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड से सम्मानित किया गया और रितु पाठक ने स्टेज पर गीत भी गाया।

बॉलीवुड आइकॉनिक अवार्ड 2022 समारोह में सिद्धिविनायक ट्रॉफीज के गणेश, आर राजपाल (पब्लिसिटी डिज़ाइनर), डांसर सीमा सूर्यवंशी, सोशल वर्कर सुंदरी ठाकुर, आयुर्वेदाचार्य प्रकाश टाटा, एडवोकेट अमित उपाध्याय, गायक डी सी मदाना, सिंगर मंगेश, बसंत भंडारी को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कृत सभी व्यक्तियों ने कृष्णा चौहान की तारीफ की और उनके हौसले व जज़्बे को सलाम किया।

इसी अवार्ड समारोह में प्रिंट, डिजिटल मीडिया से जुड़े कई पत्रकार भी बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड से सम्मानित हुए जिनमें अवनींद्र आशुतोष, राजेन्द्र कुरील, संतोष साहू, कैलाश मासूम, गाज़ी मोईन, देवेंद्र खन्ना, शमा ईरानी, दिलीप पटेल, दिनेश कुमार, पंकज पाण्डेय, नासिर तागले, शैलेश पटेल, सुंदर मोरे, प्रेस फोटोग्राफर बी के तांबे और राजेश कोरील का नाम उल्लेखनीय है।

इस मौके पर डॉ कृष्णा चौहान ने अपनी आगामी हिंदी फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' का भी प्रमोशन किया। यह एक हॉरर थ्रिलर फ़िल्म है, जिसके लेखक गाज़ी मोइन हैं। कृष्णा चौहान द्वारा निर्देशित इस फिल्म के डीओपी पप्पू के शेट्टी हैं।

इस अवार्ड समारोह के बाद डॉ कृष्णा चौहान 4 मई 2022 को अपने जन्मदिवस पर लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2022 का भव्य आयोजन करने जा रहे हैं।

आपको बता दें कि बॉलीवुड फ़िल्म निर्देशक कृष्णा चौहान पिछले कई वर्षों से इंडस्ट्री से जुड़े हुए हैं। इन्होंने

मनपा आयुक्त की अध्यक्षता मे होटल एसोसिएशन की बैठक

मुबंई तंरग संवाददाता । भाईदंर

1 अप्रैल 2022 से 50 किलो से अधिक कचरा पैदा करने वाले होटल व्यवसायियों का कचरा मनपा द्वारा नहीं उठाया जाएगा : मनपा आयुक्त दिलीप ढोले

16 फरवरी को मीरा भायंदर मनपा आयुक्त की अध्यक्षता मे मीरा भायंदर होटल एसोसिएशन की बैठक जीसीसी क्लब के मीरा रोड में हुई. बैठक में अपर आयुक्त (2) संभाजी पानपट्टे, उपायुक्त (जन स्वास्थ्य) रवि पवार, होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि मधुकर शेट्टी, श्रेयस शेट्टी, अजय सैनी और शहर के होटल व्यवसायी/मालिक मौजूद थे.इस बैठक में सभी होटल संचालकों/मालिकों को आयुक्त, अपर आयुक्त एवं उपायुक्त के माध्यम से "थोक कचरा निस्तारण" के संबंध में उचित मार्गदर्शन दिया गया. शहर में उत्पन्न होने वाले कचरे को विकेंद्रीकृत करने के लिए होटल मालिकों के साथ चर्चा की गई।

सभी होटल संचालकों/ मालिकों को गीले कचरे के निस्तारण के बारे में विशेषज्ञों द्वारा विशेष मार्गदर्शन भी दिया गया।आयुक्त ने कहा कि मीरा भायंदर शहर में 50 किलो से अधिक कचरा पैदा करने वाले होटल व्यवसायियों को एक अप्रैल 2022 से मनपा के माध्यम से कचरा नही उठाया जाएगा साथ ही विभिन्न विकल्पों पर भी चर्चा की गई ताकि होटल व्यवसायियों को इस संबंध में कोई परेशानी न हो।

पर्याप्त जगह वाले होटल व्यवसायियों को अपने क्षेत्र में कचरे का निपटान करने के बारे में विशेषज्ञों द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया जाता है। होटल संचालक जिनके पास जगह नहीं है, उन्हें भी सही विकल्प खोजने के बारे में मार्गदर्शन दिया जाता है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 अभियान के तहत आयुक्त ने सभी होटलों को अपने परिसरों में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए. साथ ही शहर में सभी जगह सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्रवाई की जा रही है. इसलिए किसी भी होटल व्यवसायी को पार्सल डिलीवर करते समय प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि इसकी जगह कपड़े या पेपर बैग का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही पार्सल की डिलीवरी के लिए उपलब्ध कराए गए कंटेनर बिना प्लास्टिक दिए रिसाइकिल करने योग्य होने चाहिए।

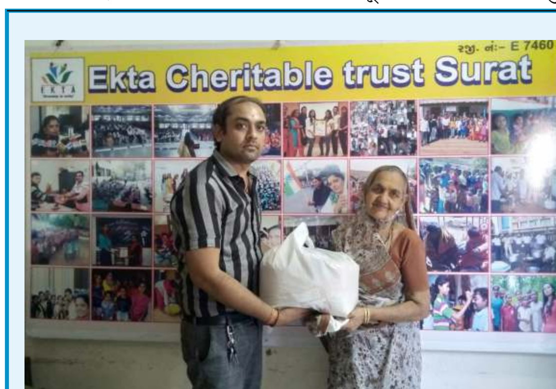

सूरत गुजरात एकता चैरिटेबल ट्रस्ट की प्रमुख श्रीमती भारती बेन चावड़ा द्वारा हर महीने निसहाय और विधवा महिलाओं को राशन किट का वितरण किया जा रहा है जिसमें आज रोज राशन की किट का वितरण किया गया था इस सुभ अवसर पर कीट के दाता श्रीमान जनक भाई काछड़िया भूतपूर्व मेयर अस्मिता बेन सिरोया श्रीमान किशोर भाई सोजीत्रा नरेश भाई किकानी राजू भाई नागल अरविंद भाई काकड़िया के अलावा अन्य महानुभाव उपस्थिति से इस कार्यक्रम को सफल बनाया अंत में संस्था की प्रमुख श्रीमती भारती बेन चावड़ा ने सबका विनम्र अभिवादन किया

29-30 जनवरी को आसाम राज्य पत्रकार संघ द्वारा आई जे यू की महत्वपूर्ण एन ई सी बैठक

29 जनवरी 11-30 आसाम के सूचना मंत्री ने आसाम पत्रकार संघ की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन किया। इस समारोह में सूचना प्रसारण मंत्री श्री पीयूष हजारिका ने 11 से अधिक वरिष्ठ पत्रकारों और आईजेयू के अध्यक्ष श्रीमान बी.आर.प्रजापति, कोषाध्यक्ष श्री विजय मेहता, एनईसी सदस्य बाबूलाल चौधरी को सम्मानित किया। .

देश के पत्रकारों की समस्याओं पर चर्चा की और उसी के लिए लड़ाई के लिए आवाज उठाईआईजेयू एनईसी की बैठक में पदाधिकारियों के चुनाव पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।आईजेयू अध्यक्ष श्रीमान बी.आर.प्रजापति और महासचिव श्री जी.प्रभाकरन ने इस महत्वपूर्ण निर्णय को भौतिक एनईसी बैठक में एक या दो महीने में अच्छी स्थिति में लेने का सुझाव दिया। कुछ लोग चुनाव के लिए तेज मूड में तर्क देते हैं। बैठक आने वाले समय के लिए साथ में रहंगेश्री बी.आर.प्रजापति GJU के अध्यक्ष आईजेयू के अध्यक्ष।

अंधेरी स्टेशन से आरपीएफ ने मोबाइल चोर को दबोचा

गणेश पाण्डेय । मुंबई पश्चिम रेलवे की रेल सुरक्षा बल की टीम ने अंधेरी में सीसीटीवी सर्विलांस की मदद से एक मोबाइल चोर को पकडा है जानकारी के मुताबिक रेल सुरक्षा बल की क्राइम प्रिवेंशन डिटेक्शन स्क्वॉड (CPDS) टीम ने अंधेरी स्टेशन पर हुई चोरी के एक हालिया मामले में सीसीटीवी फुटेज का गहन अवलोकन किया, जिसमें पाया कि चोर एक धीमी लोकल ट्रेन में सवार हुआ और उसने एक यात्री का मोबाइल फोन चुरा लिया। फुटेज की गहन निगरानी के जरिए टीम संदिग्ध की पहचान करने में सफल रही और अंधेरी स्टेशन पर सीपीडीएस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया और अधिक पूछताछ करने पर संदिग्ध ने अपनी पहचान 29 वर्षीय अलाउद्दीन नूर इस्लाम शेख बताई, जो बांद्रा (पश्चिम) का निवासी था एवं उसने चोरी का अपना अपराध स्वीकार किया। उसे जीआरपी/अंधेरी को सौंप दिया गया जहां उसके खिलाफ जीआरपी, अंधेरी ने सीआर 12/2022 आईपीसी धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया गया। आरपीएफ अंधेरी ने यह भी पता लगाया कि आरोपी आदतन अपराधी था और उसके खिलाफ चोरी और डकैती, एनडीपीएस अधिनियम और आरपी (यूपी) अधिनियम के तहत एक मामले सहित आईपीसी के 9 अन्य मामले पूर्व में दर्ज थे।

'इंडिया एसएमई एक्सीलेंस अवार्ड-2021' अवार्ड से 'अल-अजीज प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' राजभवन,मुंबई में सम्मानित

उदय अधिकारी 'इंडिया एसएमई एक्सीलेंस अवार्ड-2021' से राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा सम्मानित

मुंबई। राजभवन, मुंबई में 13 फरवरी 2022 को 'एसएमई चैंबर्स ऑफ इंडिया महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल एंड एम्पोवरिंग एसएमई फ़ॉर ग्लोबल कॉम्पीटीटीवनेस इकोनॉमिक डेवलोपमेन्ट एसोसिएशन' द्वारा एकसाथ मिलकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें 'अल -अज़ीज़ प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' के चेयरमैन उदय काशीनाथ अधिकारी को 'इंडिया एसएमई एक्सीलेंस अवार्ड-2021' से 'एसएमई ऑफ दी ईयर -इनोवेशन एंड इंवेंशन्स' कैटगरी के तहत राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा सम्मानित किया गया। जिसके लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें 'अल -अज़ीज़ प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' के चेयरमैन उदय अधिकारी व एमडी सागर अधिकारी ने सभी को धन्यवाद दिया। वैसे अल -अज़ीज़ प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड' की शुरूआत 1988 में हार्डवेअर इंडस्ट्री में नई क्रांति लाने के लिए किया गया था। इनका मुख्य उद्देश्य है कि हमेशा नई तकनीकों की खोज और उसमें नवीकरण करना। बिजली, पानी और गैस के छेत्र में हमेशा नई खोज करते हैं, जिससे पर्यावरण सुरक्षित रहे और तकनीकी छेत्र में क्रांति आती रहे।देश विदेश में कंपनी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

जम्मू-कश्मीर : श्रीनगर में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर किया ग्रेनेड हमला, आसपास की दुकानों के शीशे टूटे

श्रीनगर के नौहट्टा के ख्वाजाबाजार में सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम पर आतंकियों ने ग्रेनेड हमला कर दिया। ग्रेनेड के फटने के बाद आसपास की दुकानों के शीशे टूट गए। इससे हड़कंप मच गया। सूचना के बाद इलाके में बड़ी संख्या में अन्य सुरक्षाबल पहुंचे। उन्होंने आतंकियों की तलाश के लिए अभियान चलाया है। सूत्रों के मुताबिक आतंकियों ने ग्रेनेड हमला उस समय किया जब बाजार में भीड़ थी। कई लोग मौके से इधर-उधर जा रहे थे। सुरक्षाबलों को निशाना बनाकर फेंका गया ग्रेनेड दुकानों के पास फट गया। इससे तीन दुकानों के शीशे टूट गए। अचानक हुए ब्लास्ट से इलाके में दहशत का माहौल हो गया। इस घटना में किसी के भी जख्मी होने की सूचना नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। घटना से एक दिन पहले शोपियां जिले में वीरवार की शाम आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला किया था।

पश्चिम रेलवे ने 9 महीने के टिकट जाँच से 80 करोड़ जुमार्ना वसुला

मुबंई तंरग। मुंबई पश्चिम रेल ने टिकट जाँच मे अप्रैल 2021 से जनवरी, 2022 तक की अवधि के दौरान अनियमित यात्रा के मामलों से 80.07 करोड़ रुपये जबकि बिना मास्क के मामलों से 26.92 लाख रुपये जुर्माना के रूप मे वसुल किया है जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर अनुसार अप्रैल, 2021 से जनवरी, 2022 तक की गई जांच के दौरान बिना बुक किए सामान सहित टिकट रहित/अनियमित यात्रा के लगभग 13.67 लाख मामलों का पता चला, जिसके परिणामस्वरूप 80.07 करोड़ रुपये की वसूली हुई। इस अवधि के दौरान आरक्षित टिकटों के हस्तांतरण के 9 मामलों का पता चला और रु. 13,000 रुपये से अधिक की वसूली की गई। इसके अलावा 540 भिखारियों और 613 अनधिकृत फेरीवालों को पकड़ा गया, जिनमें से 242 पर जुर्माना लगाया गया और 1,04,165 रुपये की राशि रेलवे बकाया के रूप में वसूल किया गया। 369 व्यक्तियों पर मुकदमा चलाया गया और 1,34,870 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।रेलवे परिसर में बिना मास्क के यात्रियों के खिलाफ कार्रवाईटिकट चेकिंग स्टाफ को बिना मास्क के यात्रियों से जुर्माना वसूलने का अधिकार दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप बिना मास्क के यात्रा करने के 14,492 मामलों का पता चला और पश्चिम रेलवे पर 17 अप्रैल, 2021 से 31 जनवरी, 2022 तक 26.92 लाख रुपये की वसूली की गई।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल,
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।